रत्नाकर डकैत

रत्नाकर डकैत

जगदीश प्रसाद मण्डल



पल्लवी प्रकाशन
बेरमा/निर्मली

RATNAKAR DAKAIT (रत्नाकर डकैत)
A Play in Maithili Language by Shri Jagdish Prasad Mandal

ISBN: 978-93-87675-41-4
दाम: 100/- (भा.रු.)

चारिम संस्करण: 2023 (पहिल संस्करण: 2013, श्रुति प्रकाशन, दिल्ली)

प्रकाशक: पल्लवी प्रकाशन
तुलसी भवन, जे.एल.नेहरू मार्ग, वार्ड नं.: 06, निर्मली
जिला- सुपौल, बिहार: 847452
मुद्रक: पल्लवी प्रकाशन (मानव आर्ट)

वेबसाइट: http://pallavipublication.blogspot.com
ई-मेल: pallavi.publication.nirmali@gmail.com
मोबाइल: 6200635563; 9931654742

फोण्ट सोर्स: https://fonts.google.com/,
https://github.com/virtualvinodh/aksharamukha-fonts
आवरण: श्रीमती पुनम मण्डल, निर्मली (सुपौल), बिहार: 847452
अक्षर संयोजन: डॉ. उमेश मण्डल

समर्पण

मिथिलाक वृन्दावनसँ लऽ कऽ बालुक ढेरपर बैसल
फुलवारी लगौनिहार एवम्
नव विहान अननिहारकेँ
समरपित

पात्र परिचय

पुरुष पात्र-

1. रत्नाकर- 60 बर्ख।
2. महेश- 55 बर्ख।
3. सुरेश- 55 बर्ख।
4. गणेश- 25 बर्ख।
5. भजन लाल- 48 बर्ख।
6. मिसर लाल- 48 बर्ख।
7. रमण लाल- 48 बर्ख।
8. मोजे लाल- 60 बर्ख।
9. बर्बरी- 25 बर्ख।
10. सुग्रीव- 35 बर्ख।
11. हनुमान- 25 बर्ख।
12. अध्यक्ष- 58 बर्ख।

नारी पात्र-

1. शबरी- 60 बर्ख।
2. हरेलही- 40 बर्ख।
3. बिसरलीही- 45 बर्ख।

पहिल दृश्य-

(गरदैनमे ढोल, हाथमे लकड़ीक बजौना मोजे लाल नेने आगू-आगू आ भजन लाल पाछू-पाछू।)

मोजे लाल- (डंका जकाँ बजबैत, कनीकाल ढोल बजा, बन्न करैत) नगर-नगर, डगर-डगरसँ गाम-गामक आ समाज-समाजक भाए-बहिन, काका-काकी, दादा-दादी सभसँ कहै छी, सुनै- जाउ! भजन भाय अहाँ सबहक सोझहामे छैथ ओ कहता।

भजन लाल- गाम-समाजक जे भाए-बहिन छी कान खोलि सुनू। जँ नै सुनब आ पछाइत कहब जे तेना कान गुजिया गेल जे सुनबे ने केलौं। से नै हुअए।

मोजे लाल- (पुन: जागब ध्वनिमे ढोल बजा) भजन भाय, अपन विचार कहियौ।

भजन लाल- काल्हि भोरेसँ रत्नाकर भैया ऐठाम पुण्योत्सव छिऐन सएह कहए एलौं अछि। छपुआ कार्डक आशा नइ करब।

मोजे लाल- भाय साहैब, छपुआ कार्ड की कहलिऐ?

भजन लाल- आब देखै छी जे गामसँ, परिवारसँ एते तक की बाप-

माएसँ करोड़ो योजन दूर छी मुदा बेटा-बेटीक जन्मोत्सवमे हजारो-लाखो कार्ड जेतए-तेतए बिलैह दइ छिऐ। से...।

मोजे लाल- 'से' की?

भजन लाल- यएह जे पहिने छँटियाबए पड़त जे कोन कार्ड हकार सदृश अछि आ कोन भारक संग भोजनक अछि। ई तँ नहि जे 'जान ने पहचान हम तोहर मेहमान'।

मोजे लाल- (एक धुन ढोल बजबैत नचबो करैत आ गेबो करैत)
नोत एलै हौ भैया हकार एलै हौ
बेन डोलबैत बेना एलै पीपहीक मुस्कान एलै हौ।
फड़-ऐहब फड़ बिलैह बाँटि-बाँटि
ज्ञानी-जोगी डकैत भैया रत्नाकर हौ..!
(दोहरा-तेहरा, ढोलो बजबैत आ गेबो करैत।) असथिर होइत-)
भजन भाय, नोत-हकारक ढोलहो छी, तँए दोहरा-तेहरा कऽ कहियौ?

भजन लाल- से की?

मोजे लाल- जहिना सोना भेटनौं आ हरेनौं प्राश्चित करबए पड़ै छै तहिना ने नतो-हकार छी। जहिना सरही आमक पीपही नीक-नीक कलमी डारिक जोड़ पाबि नाता

जोड़ि सरही-सँ-कलमी बनि जाइत अछि तहिना ने नतो जोड़ल जाइत अछि। ई तँ नहि ने जे फुर्सत दुआरे ए.टी.एम.क माध्यमसँ नोत पूरि लेब।

भजन लाल- से की?

मोजे लाल- यएह जे कोनो बिआह छै आकि मूड़न आकि कोनो आन छोट-पैघ यज्ञ, जखने काज परिवारसँ ऊपर उठैए तखने ने परिवारसँ उठल सोच-विचारक जरूरत पड़ै छै, जँ अहाँकेँ अपनेसँ छुट्टी नइ हएत तँ केना पछुआएल लोक अहाँक संग सम्बन्ध बना सकत।

भजन लाल- मोजे लाल, जहिना तूँ बिनु खतियानक मालिक तहिना हम भजना। हरक लागैनसँ लऽ कऽ खौजरा-खौजरी चटकबैत वीणाक ओहन स्वरक समुद्रमे पहुँच जाइ छी जे घन्टो भरि लाड़ैन चलौलो पछाइत अन्नक लाबा चमैक-चमैक खापैड़सँ कूदि माटिपर अबैत रहैए।

मोजे लाल- भाय साहैब, अहाँक बात सभ नै बुझत?

भजन लाल- जहिना भाँटा गाछमे लटैक जीवन यात्रा करैत तहिना मुड़ै माटिक तरेमे जीवन यात्रा करैए, तँए की ओकर जिनगीक कोनो महत नहि? की ओ जीवनदाता नहि छी?

मोजे लाल- भाय साहैब, बुढ़ भेने अहाँ भँसिया जाइ छी?

भजन लाल- से केना?

मोजे लाल- हम तँ गाम-घरसँ शहर-बजार धरि ने घुमै छी। जाबे बजार नहि बनत ताबे चौकीदार केना फड़त। देखै छिऐ बड़का-बड़का बरियातीमे इंजन-गाड़ीकेँ पतियानी लागल, तइमे छौड़ा-छौड़ी सभ अपन गाड़ी जोड़ि देत आ भरि राति खा-पी कऽ उमैक लइए।
(ढोलक अवाज सुनि गामक मिसर लाल आ रमण लाल अबैत, दुनूकेँ देखिते पाशा बदलैत)
नोत एलै हो भैया, हकार एलै हो...।

(मोजे लालकेँ चुप होइते भजन लाल मिसर लाल दिस तकलक। भावात्मक दृश्य। जेना मिसर लालक थरथर कँपैत मन किछु बाजए चाहैत तहिना भजन लालक पियासल पथिकक दृश्य इत्यादि...।)

भजन लाल- (मिसर लाल दिस ओंगरी तानि बाँहि उठा) अहाँ किछु बाजए चाहै छी?

मिसर लाल- हँ।

भजन लाल- तखन मुँह किए चोरौने छी। अपन विचारकेँ काज रूपमे दुनियाँक बीच नइ राखब तँ के केकर की नीक

केलकै जे तइ आशामे अपनाकेँ राखब। मन असथिर कऽ बाजू। ओना अखन उत्सवक समय लगिचाएल अछि तँए नीक हएत जे अहूँ सभ कपड़ा-लत्ता साफ कऽ ली, ओना केश-दाढ़ी, जुत्ता-चप्पल ठीक-ठाक करैमे जेते समय लागत तइसँ बेसी समय आब थोड़े अछि।

मिसर लाल- (कँपैत) भाय-साहैब, उत्सवमे एहेन तँ ने मंच बनत जे श्रीमान-श्रीमती होइत-होइत बजैक समैये ओरा जाएत तखन तँ जहिना भोजमे सभ दिन धकियाइत-धकियाइत ऐँठार लग पहुँच जाइ छी तहिना...।

(बिच्चेमे मोजे लाल डिगरी चालिमे ढोल बजबए लगैए)

भजन लाल- भाय साहैब, ने अहाँक बात हमरा धऽ लेत आ ने धड़ैक डर होइए मुदा पैघ काजक आगू छोट काजकेँ किछु विलमा देब नीक होइ छइ। नहि, जँ अहाँ बड़ औगताएल छी तँ चलू रस्ता पकैड़ संगे-संग जे काजो चलतै आ भजनो-कीर्तन चलतै।

(तैबीच रमण लाल मिसर लालकेँ डपटैत बाजल)

रमण लाल- बजैले जे सतमसुआ बच्चा जकाँ पेटमे उधकै छौ से दाबि कऽ राख नहि तँ कहि दइ छियौ।

मिसर लाल- की कहमे, जे कहैक छौ से भने तेहल्लाक बीच छँहें बाज!

रमण लाल- अपन बाप-पुरखाक नाओं बुझल छौ! अपन किछु बुझले ने छौ तँ दस गोरेमे की बजबीही?

मिसर लाल- जखन दुनू गोरे संगे रहै छी तखन तूँ पहिने ने किए चेता देने छेलैं?

रमण लाल- तूँ पुछलैं कहिया?

मिसर लाल- अँइ रौ, बिनु पुछनहि भरि दिन संगे रहै छी। तहूमे जे नजैरपर चढ़बे ने कएल से केना पुछबो?

रमण लाल- अँइ रौ! की तोरा बुझि पड़ै छौ जे जहिना आरती घुमा लोक भगवानकेँ ठकि भरि राति इजोत मिझा अन्हारेमे रखै छैन, हम तेना तोरा केलियौ।

भजन लाल- देखू, अहाँ सभ अनेरे अनघोल करै छी। कौल्हुका काज की सभ अछि से मन पाड़ए दिअ।
(सभ जाइत अछि)

पटाक्षेप।

शब्द संख्या : 807

दोसर दृश्य-

(भजन लाल, मिसर लाल, रमण लाल आ सुरेश अबैए।)

भजन लाल- भाय, दुनियाँक खेल अजीब अछि। जेना समुद्रमे जाइठ सीमा नै होइ छै तहिना ने अछि। ऐ अथाह माटि-पानिक बीच टपैक तीनू बाट तेहेन भऽ गेल जे..?

मिसर लाल- चुप किए भेलौं, भाय?

रमण लाल- भजन भाय, दिलेरक संग दिलक जखन भेँट होइ छै तखन एकटा नव ऐनाक रंग चढ़ै छै तँए मुँहक बात घोंटी नहि, नइ पचए तँ उगैल दिऐ।

भजन लाल- (विस्मित होइत) भाय! एकटा बाट तेना बनरा गेल जेना गाछ-बिरीछमे होइ छै जे कोढ़ियो-बाती देब छोड़ि दैत अछि। दोसर दोगलाइए गेल। तेसर बेटाक रगड़ामे बुढ़ाड़ी धरि वस्त्रधारीए रहला सुखदेव जकाँ आरबन-कोपीन नै लेलैन! खाएर जे हौउ...। पहिने बैसैक ओरियान करू।

(मिसर लाल मोटरी खोलि सतरंजी पसारए लगैत अछि, तीनू गोरे कोण पकैड़ जाजीम बिछबैए। बिछान तैयार होइते रत्नाकर मंचपर अबैए।

(रत्नाकरक प्रवेश।)

माथमे तीन भीरी केश बान्हल, चानिपर तीनटा लकीर, दुनू दिस उजरा आ बीचमे लाल। दाढ़ी-मोछ भयंकर। बाँहिमे आ गरदैनमे रूद्राक्षक माला, दहिना हाथमे कमण्डल, पीठीपर लंगोटामे बान्हल पुरान कम्मलक मोटरी।

(मंचपर रत्नाकरकेँ अबिते तीन गोरे नारा लगबैत)

'रत्नाकर भैया!'

'जिन्दावाद।'

'रत्नाकर भैया!'

'जिन्दावाद।'

रत्नाकर- (पाछू घुमि) सोझे हल्ला केने आ नारा लगौने नहि हएत। सभ चुप-चाप भऽ जाउ। बेरा-बेरी अपन-अपन जिनगीक बात-विचार समाजकेँ सुना दियौन। धर्मराजक न्याय भेटत, नहि कि यमराजक।

महेश- भाय साहैब, अपनेक जीवन यात्रा बहुत नमहर अछि ओते सुनैले ओतेक निचेनियोँ चाही ने, से भुखल पेट केतेकाल सुनि अमल करत। जइ इलाकामे साले-साल रौदी, दाहीक संग उपजाउ माटि नष्ट भऽ गेल अछि

तइ इलाकाक यात्री केते दूर जीवन यात्रा कऽ सकैए?

रत्नाकर- की मतलब?

महेश- भूखे भजन ने होई गोपाला।
लिअ रखि गुरु कण्ठीक माला।

रत्नाकर- महेश, अहाँक प्रश्न जेहने सुन्दर अछि तेहने कठिन। मुदा समुद्रसँ रत्न निकालब आ जंगलसँ सिर-शिरोमणि आनब, दुनूक दू दिशा अछि।

गणेश- एना नहि हएत, कनी ओंगरीपर
हिसाब बैसा कऽ बुझा दिअ।
(ओंगरीपर हिसाब जोड़ैत)

रत्नाकर- गणेश बाउ, कान खोलि सुनि लिअ। ई धरती विशाल रंगमंच छी। माटि-पानिक बीच रंगमंच सजल अछि। जे जेहेन यात्री छैथ ओ ओहेन अपन बाट पकैड़ पार करै छैथ।

गणेश- की मतलब?

रत्नाकर- मतलब यएह जे कियो अपन जिनगी हवन करै छैथ तँ कियो दोसराक हवन लैत अछि। खाएर जे हौउ...।

(बिच्चेमे, मिसर लाल अपन बात उठबए चाहलक आकि सुरेश ललैक कऽ बाजल)

सुरेश- अनेरे..!

रत्नाकर- तखन पहिने फरिछा लिअ पड़त जे खाइले जीबै छी आकि जीबैले खाइ छी। दान देब नीक आकि लेब नीक, आकि लेब-देब दुनू नीक, आकि देब-देब नीक।

गणेश- लेब-देब नीक छी। दुनू नीक छी। कोनो ने नीक ने कोनो अधला छी।

भजन लाल- तखन?

गणेश- बेवहारिक धरातलपर जे अधिक नीक हुअए?

भजन लाल- अधिकोक दू दिशा छइ?

गणेश- से की?

भजन लाल- अधिक लोकक शाब्दिक विचार आकि अधिक लोकक जिनगीक विचार?

रत्नाकर- भजन जेहने तूँ साँझ-भोर राति-दिन लय-धुन बदैल-बदैल एके बातकेँ औंटैत-पौड़ैत रहै छह तेहने गणेश

छैथ। भारी देखि हाथी चढ़ब नीक बुझलैन मुदा हाथी केना पोसाइत अछि से लूरिए ने भेलैन।

गणेश- (खिसिया कऽ दहिना हाथ ऊपर घुमबैत) तीन लकीर हम दइ छी, ताधैर हम नै मानब जाधैर ओहन भोगी नै आनि देखा देब।

रत्नाकर- हकार दिअ तोहीं ने भजन गेल छेलह, तँए तोरे ने ओहेन हकरियासँ भेँट भेल हेतह?

भजन लाल- भैया, बुढ़ोमे अहाँ ओहने अगुताह रहि गेलौं जेहेन समरथाइमे छेलौं!

रत्नाकर- (मुस्की दैत) हे बुड़िबक, केतबो औगता कऽ काज करबह तइसँ की काज पहिने थोड़े भऽ जेतह। काजक जे अपन समय छै ओइ अनुकूल जे करैए ओ कुशल भेल। मुदा...।

सुरेश- 'मुदा' की?

रत्नाकर- यएह जे जँ औगता कऽ करब तैयो आ अलूरिये करब तैयो या तँ आरो गजपटा जाएत वा उबाइन भऽ जाएत।

सुरेश- सु-बाइनियों तँ भऽ सकै छै किने?

रत्नाकर- संयोगवश, निसचित नहि।

भजन लाल- (औगताइत) भैया, अहाँ अनेरे कोन घंघौजमे लगि गेलौं, मोतीबला सितुआ दोसर होइ छै, भलें नाओं कियो रखि लिअए।
(भाव दृश्य) ने किछु रत्नाकर बजैत, मुदा चेहरा कहैत समुद्रक सितुआ आ बरसाती डबराक सितुआ एक वियान केना करत। एक अजर-अमरक बीच जीवन-यापन केनिहार, दोसर तीन मास ढेनुआर, तीन मास रखलाहा मिला छह मास।
(भजनलाल हराएल मुद्रामे बड़बड़ाइत)
'मनमे रहितो साँझ-भोर वएह गबै छी।'
(सबहक मुद्रा अपन-अपन विचारानुकूल। सभसँ भिन्न मिसरलालक। जेना किछु बजैले मुँह लुस-फुस करइ, तहिना।)
(मिसर लालकेँ लुसफुसाइत देखि सुरेश बजला)

सुरेश- मिसर लाल, अहाँ किछु बाजए चाहै छी?

मिसर लाल- (दुनू हाथ जोड़ि) हँ, भाय साहैब। हमरा सन लोककेँ बजैक एहेन समय कहिया भेटत?

गणेश- (बिगैड़ कऽ) मिसर लाल, जँ तोरा बजैक छह तँ जल्दी बाजह, अखन धरि चाहो ने भेल अछि।

तेलिया-फुलिया लगा-लगा नै बजीहह, घोंच-घाँचमे दू-चारि कड़ी दबि जाइ छै, जइमे अमीन चोर फड़ैए।

भजन लाल- माने?

गणेश- माने यएह जे जखन बाँसक सोझका लग्गा छेलै, मोट-पातर रहितौ लग्गी लग्गीए छेलै तखनो धूर कट्ठा नम्हरे रहइ। चास-बास घटने इंच-फीटमे पहुँचल। मुदा नपैक यंत्र तेहेन स्प्रींगदार भऽ गेल जे केमहर की भऽ जाइ छै जे थाहे ने पबै छी।

रत्नाकर- समैपर धियान रखू। भजन देरी किए होइ छह?

मिसर लाल- भाय साहैब, दुनियाँक रीतिक अनुसार दुरागमनक अपनो कर्तव्य बुझलिऐ। तीनियेँ सालमे दूटा बेटी भऽ गेल।

गणेश- अपरेशन किए ने करा लेलौं, जखन दुइए बच्चाक कोटा छइ?

मिसर लाल- भाय साहैब, सुनै छिऐ समलौंगिक सम्बन्ध। ओइ कटौतीसँ कोटा नै पुरतै?

रत्नाकर- आगू बाजू?

मिसर लाल- भाय साहैब, मन अपनो दुनू परानीक सएह भेल। देखै छी जे एकटा बेटीक बिआह जिनगी भरिक कमाइसँ पारो नै लगै छै, तैठाम दूटाक भार तँ बेसी भेबे कएल।

रत्नाकर- (मुड़ी डोलबैत) हँ से तँ भेल। तखन...।

मिसर लाल- (अठन्नी हँसी हँसैत) दूटा ओही बीच भऽ गेल, जइ बीच फरिछेबे ने कएल जे दुनू परानीमे के अपरेशन कराबी।

भजन लाल- तखन..?

मिसर लाल- ओही झंझटक बीच दूटा आरो भऽ गेल।

भजन लाल- एक गण्डा भेल?

मिसर लाल- गाहीमे एक कमे अछि।

रत्नाकर- पछाइत?

मिसर लाल- माइक कानमे अपरेशनक समाचार पहुँचते मधुमाछी जकाँ दिन-राति एके सोरवर गबैत जे हमरा मौसीकेँ तेरहटा बेटी रहै से पार-घाट लगबे केलै आ एकरा सभकेँ चारिए टामे ढट्ठा ढील होइ छइ।

सुरेश- (मुस्की दैत) से तँ ठीके। पछाइत की भेल?

मिसर लाल- तत्काल बात मानि गेलौं। अपनो दुनू परानी विचारलौं जे जँ कहीं माइयो-बापक असीरवादसँ आगू बेटे बेटा हुअए।

गणेश- (खिसिया कऽ) ईह बुड़ि कहीं कैँ, हम एते दिन-राति तबाह रहै छी से धिया-पुता डरे बिआहो ने केलौं आ हिनका मुनहरक मुँह खुजि गेलैन।

(गणेशकेँ क्रोधित देखि मिसर लाल ठहाका दैत)

मिसर लाल- (घुनघुना कऽ) बपजेठ जकाँ केहेन गरमी छैन! मुदा जोरसँ किछु नै बजला।

भजन लाल- मिसर भाय, एना जे तिलकेँ तार बनेबह तेते समय नइ छह। जल्दी अपन बात अन्त करह?

मिसर लाल- हकार दइले जे गेल छेलह से कहने छेलह जे अपन बात औगता कऽ बाजि दिहक।

रत्नाकर- देखू विचार दू ढंगे लोक करैए, औपचारिक आ अनौपचारिक। ओना, अनौपचारियो औपचारी बनैए मुदा बीचमे शासकीय सूत्र आबि जाइत अछि। अच्छा आगू...।

मिसर लाल- हिसाब जोड़ि लेलिऐ किने। दूटा दुनियाँ रीतिक अनुसार, दूटा दुनू परानीक झगड़ा-मिलान, मिलान-झगड़ामे।

गणेश- जेते कुल-खनदानक खतियान-बोही छह से अखने उन्टा दहक। रसगुल्लाक आशामे कचौरियो सुखि कऽ टाँट भऽ गेल हएत।

मिसर लाल- गणेश बाबू, अपने लग नहि बाजब तँ बाजि केतए पाएब। कनी धियानसँ सुनि दृष्टि-कूट खोलियौ। तखन ने भाँज पेबइ।

भजन लाल- मिसर भाय, तों तेते ने मेठैन करै छह जे कुशियारो रसकेँ मिसरी बनाइए कऽ छोड़बहक।

मिसर लाल- अच्छा हुण्डे भेल। अखन धरि सात बेटीबला सत बेटिया नाओं ग्रहण कऽ नेने छेलौं।

रत्नाकर- पछाइत?

मिसर लाल- (जेना बिढ़नी कटलापर छटपटाहट होइत) एह भाय साहैब, की कहब।
(दुनू हाथ माथपर लैत) भोरे-भोर एकटा एकरंगा आएल।

भजन लाल- के रहए?

मिसर लाल- कहलक जे घर तँ अही इलाका अछि मुदा कामाख्या सीख छी। हमहूँ एक बेर कामाख्या गेल छी। रुपैआ हाथे महरानीक दर्शन होइ छै ओतए।

रत्नाकर- आगू बढ़ू।

मिसर लाल- भाय साहैब! सबा साए रुपैआक रसीद काटि हाथमे थमहा देलैन। हाथमे एकोटा पाइ नहि। बिनु खेवाक यात्री जकाँ घटवार लग विनती केलौं।

गणेश- (झोंकमे) की विनती केलौं?

मिसर लाल- कहलयैन, बाबा महराज! बेटीक मारिसँ मरि गेल छी। केना अहाँकेँ खुश कऽ कऽ दरबज्जापरसँ विदा करब।

गणेश- तखन की भेलह?

मिसर लाल- ओ जेना बुझि गेला। लगले आँखि-ताँखि उनटबैत-पुनटबैत कहलैन। जेते तोरा बेटी छह तेते तोरा एक्केबेर बेटा देबह, बाजह मंजूर छह?

गणेश- पछाइत की केलह?

मिसर लाल- मन पघिल कऽ राँग-राँग भऽ गेल। मुदा घरवाली धरि कहि देलक जे ई ठकहरबा छी।

गणेश- पछाइत की भेलह?

मिसर लाल- जे तकदीरमे लिखि देने छेलिऐ, से भेल।

गणेश- हमहीं लिखि देने छेलिय।

मिसर लाल- सभ दिन भागवत बचै छी अहाँ आ नाओं लगेबे दोसरकेँ!

भजन लाल- उत्सव शुरू होइक समय करीब आबि गेल। जाबे तैयार हएब ताबे समैयो सटि जाएत।

पटाक्षेप।

शब्द संख्या : 1361

तेसर दृश्य-

(मंच। सतरंजी-जाजीमक ऊपर मसलन। रत्नाकर, भजन लाल, मोजे लाल, मिसर लाल, रमण लाल, गणेश आ सुरेश सभ बैस उत्सवक चर्च करैक विचार करिते रहैथ कि बर्बरीक प्रवेश।)

बर्बरी- (मंचपर ठाढ़ भऽ) भाय-लोकैन, ई बात बिल्कुल झूठ छी जे जैपर बिसवास करब से फल भेटबे करत?

(बीचमे गणेश ठाढ़ भऽ)

गणेश- (खिसिया कऽ) ईह, बुड़ि कहीं-के! हिनका केतौ खच्चरपन्नीक गर नै लगलैन तँ हहाएल-फुहाएल एतै चल एला।

बर्बरी- हाथीक बगए बना लेलह तँ की बुझि पड़ै छह जे हम बड़ बुतगर छी। तोहँए ने ओइ दिनसँ मंचपर कहैत एलह जे जेकरा मनमे जेहेन बिसवास रहत ओ ओहन फल खाएत। बड़ मने-मन फल खेनिहार भेला अछि! बुड़ि कहीं कऽ!

गणेश- मुँह समैट कऽ बाजह! जे कहलिऐ से कहिते रहबै। तहियो कहलिऐ आ अखनो कहै छिऐ।

बर्बरी- पहिने एकटा बात कहि दएह जे केकरो हाइ-ब्लड-पेसर होइ छै आ केकरो लो-ब्लड-पेसर होइ छै, दुनूक एक्के कारण हेतइ। तोरे सनक पट्टा पेटबला ने एक्के कहतै।

गणेश- (शर्टक बहुँआँ समटैत) तखन फरिछाइये लएह।

(भजन लाल गणेशकेँ पकैड़ बैसौलक। मुदा बर्बरी बड़बड़ाइते रहल..)

बर्बरी- जेकरा बीत भरिक हाथ-पएर छै मुदा पट्टा सन पेट आ हाथी सन मुँह रखने अछि से केना भऽ गेलै आ अपन पेट काटि...।

भजन लाल- (बर्बरीक दुनू हाथ पकड़ैत) विधिवत उत्सवक श्रीगणेश हुअ दहक।

रत्नाकर- आश्वासन दहुन?

भजन लाल- विधिवत उद्घाटनक पछाइत पहिल वक्ता अहाँ हएब।

बर्बरी- (विस्मित होइत) जइ बातक बिसवास पुस-पुसतानिसँ करैत एलौं ओ अखन धरि साफल कहाँ भेल!
(ललैक कऽ) आइ हम ओइ भविसवक्ता लोकैनसँ पुछै छिऐन, किए ने भेल?

रत्नाकर- (हाथक इशारा दैत) हमरा लग आउ। कियो ने सुनता तँ हम सुनब। जोरसँ बाजऽ अबैए किने?

(रत्नाकरक बात सुनि बर्बरी सहमल।)

बर्बरी- जोरसँ बाजब धिया-पुताक खेल छी।

(तैबीच, एक गोरे गिलासमे पानि नेने एक गोरे लड्डू नेने गणेशक आगू पहुँच गेल।)

गणेश- (खिसिया कऽ) ऐ पानि आ लड्डूसँ थोड़े मन थीर हएत। तेहेन छुछुनैर ने बाट कटलक जे...।

बर्बरी- ईह, बुड़ि कहीं कऽ, गोलका लड्डू देखि-देखि सनकी केहेन चढ़ल जाइ छैन!

(कार्यक्रमक प्रारंम्भ। अध्यक्षक प्रस्ताव। बहुसंरव्यक समर्थक।)

अध्यक्ष- स-बन्धु–बान्धब, छिड़ियाएल दुनियाँ एक मंच छी। जे कियो ऐ धरतीपर जन्म लेलौं, सबहक अधिकार बनैए जे ऐ मंचपर सबमानित कलाकार बनि अपन अधिकारक रक्षाक संग शान्त भऽ शान्तिसँ शक्ति भरि दोसरोक जिनगीकेँ तकतियान करब, तइले वक्ताक बजला पछाइत प्रश्नो ने पुछब उचित हएत।

बर्बरी- नहि अध्यक्ष महोदय, अखन धरिक मंचक मंचन जे ऐ तरहेँ होइत आएल अछि जे श्रीमान्, श्रीमती करैत-करैत कार्यक्रमक समैये समाप्त भऽ जाइए, से...।

गणेश- (बैसले-बैसल ओंगरी देखबैत) बीचमे केतए-सँ एहेन अकलहूथ चल आएल हौ?

बर्बरी- (दोसर दिस घुमि कऽ) हाथीक कपार हिनकर आ अकलहूथ हम। बड़का डारि खाइबला मुँह हिनकर आ अकलहूथ हम! बुड़ि कहीं कऽ, पहिने अपन बात बाजह जे कोन गामक छह।

(दुनू हाथसँ दुनू गोरेकेँ शान्त करैत अध्यक्ष)

अध्यक्ष- रत्नाकर भैयाक विचार छैन जे गामक तेहेन दशा भऽ गेल अछि जे एको दिन चैनसँ रहब कठिन, तँए एहेन गाममे नहियेँ रहब नीक।

महेश- महजालक गीरह बनौने काज नै चलत। कनी सोझरा कऽ कहियौ।

भजन लाल- भाय, सोझराएले तँ अछि जे जेकरा महजालक कोण खोलैक लूरि भऽ जेतै ओ सौंसे महजाल खोलि लेत।

बर्बरी- कार्यक्रम शुरू होइसँ पहिने आश्वासन भेटल छल जे पहिल वक्ता अहाँ हएब। तैबीच अहाँ सभ ओझरी लगा समय ससारए चाहै छी से नइ चलत।

गणेश- बजौल आएल छह आकि बिनु बजौल हौ?

बर्बरी- से तोरा पुछैक कोन दरकार छह। हकरियाकेँ पुछहक जे केना आएल छी।

गणेश- (माथपर हाथ मारैत) जेकरा जे मन फुरै छै से करैए! आब बुझथुन जे सहरगंजा केहेन होइ छइ। रहरिया जकाँ दालिक बीच राहैर बग-बग करैए किने।

अध्यक्ष- अहूँ बड़ रगड़ी छी गणेश। जानियेँ कऽ तँ बुझै छी जे बर्बरी बोनैया जकाँ गमैया लोक छिया तँए एते तँ विचार करए पड़त किने।

मिसर लाल- अनौपचारिक ढंगे हमर सवाल पेश भऽ गेल तँए पहिने ओकर निर्णए भऽ जाए तखन दोसरपर विचार कएल जाए।

अध्यक्ष- पहिल आश्वासन मिसरलालक छैन। एकर लगले पछाइत बर्बरी अहाँकेँ समय भेटत।

महेश- मिसर भाय, एकटा बात नै बुझि पेलौं जे बेटी एते भारी

बनि केना गेल जे परिवारे सभ उजड़ैए?

सुरेश- एकटा बात कहू जे गाममे सभसँ पहिने बिआह पद्धतिपर कुड़हैर के मारलैन?

मिसर लाल- (ओंगरीपर हिसाब जोड़ैत) ओइ टोलमे फल्लाँ एक लाख बेटा बिआहमे लेलक आ फल्लाँ दू लाख आ फल्लाँ पनरह लाख आ फल्लाँ पचास लाख, दू करोड़क गप तँ महिना दिन पहिने फल्लाँ केलक।

बर्बरी- मिसर भाइक प्रश्न समसामयिक छैन, जरूर पहिने विचार हेबाक चाही।

महेश- बाउ बर्बरी, बालु परहक अल्हुआ खेती नै बुझू। हँ, तखन विचारणीय प्रश्न जरूर अछि।

बर्बरी- आइ दिन जे विचार नहि हएत तँ कहिया भेलै जे फेर हेतइ।

महेश- (रत्नाकर दिस इशारा करैत) भाय साहैब, जखन अपने मौजूद छैथे, अध्यक्षजी आगूमे छैथे तैठाम पहिल निर्णायक हम केना हएब। सामूहिक निर्णए हेतइ। बेसी-सँ-बेसी खण्डन-मण्डनमे हम अपन विचार रखि सकै छी।

अध्यक्ष- मिसर भाय, अहाँक प्रश्नपर किछु आरो विचारक खगता रहि गेल अछि से भेला पछाइत जवाब भेटत।

बर्बरी- अध्यक्षजी, पैछला बैसारमे हम नइ रही, हमरा किछु ने बुझल अछि तँए हम केना अपन विचार राखब।

अध्यक्ष- बर्बरी, संक्षेपमे पैछला सुना देल जाएत।

बर्बरी- जे बिन्दु विचार करैले रहि गेल, बिनु बुझने तइ सम्बन्धमे कथी सोचब। हड़बड़ी बिआह कनपटी सिनूर हएत, जहियासँ शुरू भेल तहिये-सँ लोक रस्ते-पेरे घटकैती करए लगल।

अध्यक्ष- विचारणीय प्रश्न अछि, जइ समाजमे कर्म धर्म रूपमे छल, ओइ समाजमे कर्मक स्थान धन केना लऽ लेलक! जैठाम प्रतिष्ठा प्राप्त करबाक जे कसौटी छल तैठाम बिआहमे दहेजक आगमन केना प्रतिष्ठा बनि स्थापित भेल?

बर्बरी- एकटा प्रश्न हमरो अछि।

गणेश- जेकरा जे मन फुरतै से बाजि देत, दरबारक बैसककेँ रण्डीखाना बना देत।

बर्बरी- (बौहुँआँ समटैत) हौ गणेश, जइ धरतीपर प्रकृति

पुरुष-नारीक संयोग सथापित कऽ सृष्टिक दिशा पौलैन तेकरा संग छेड़-छाड़ केतए-सँ शुरू भेल?

भजन लाल- देखू अनेरे अहाँ दुनू गोरे बखेड़ा ठाढ़ करै छी, एके भगवान भुखल पेट आ भरल पेटमे बँटाएल छैथ। गणेशजीकेँ ईहो नै पता छैन जे थारी-थारी मोती-चूरक गोलका लड्डू, तहूमे आब मनही सेहो बनए लगल अछि से तँ राता-राती सठि जाइ छैन जे प्रात भने टटके चाही।

अध्यक्ष- एना जे इनारेमे भाँग घोरि देबै भजन भाय, तखन तँ भेल।

भजन लाल- भाय, अपने अध्यक्ष छिऐ, हम तँए छगुन्तामे पड़ल छी जे अखन तक ईहो नै बुझि पेलौं जे के सुतले-सुतल सुर-ताल मिला भजैए आ के बोनैया नढ़िया जकाँ बोनेमे भजैए।

अध्यक्ष- सभ प्रश्न विचारणीय अछि। बैसारकेँ ताधैर बढ़ौल जाएत जाधैर सबहक विचार नै हेतइ। चाह-पानक समय भऽ गेल। रत्नाकर भाय ऐगला सत्रक आवाहन करता।

रत्नाकर- जहिना माटि-पानि मिलि ई दुनियाँ ठाढ़ केने अछि, देखिते छिऐ केतौ माटि बेसी तँ केतौ पानि बेसी। मुदा

तैसंग ईहो अछि जे माटिक सतहे-सतह सेहो पानि मिलल अछि आ केतौ पानिक समुद्रकेँ अपना छातीपर रखने सेहो अछि... ।

बर्बरी- भाय साहैब, केना-केना परत बनल छै से कनी फरिछा दियौ नइ तँ देव बनत कि पाथर आकि पाथरेक देव, ई कठिन भऽ जाएत।

रत्नाकर- अहाँ अपन प्रस्ताव दियौ।

बर्बरी- जहिया बेटा भेल रहए तहिया तेते खुशी भेल जे दशरथे जकाँ हुअ लगल जे सभ किछु बाँटि दिऐ। मुदा... ।

गणेश- एना घोंच-घोंचा लगा बाजब तँ हम उठि कऽ चलि जाएब।

बर्बरी- केतए जाएब, ओतइ ने महाभारतक सौमा श्लोकपर? ओतए तक रेबाइर कऽ जाएब। हँ, भाय-साहैब, कहै छेलौं, ओही घुमसाहीमे एकटा पण्डा एला। बच्चोक हाथ देखलैन आ अपनो दुनू परानीक।

सुरेश- कनी असथिरसँ बाजू जे की कहलैन ओ पण्डा।

बर्बरी- (विह्वल होइत) ओ तँ मनेमे सड़ैए। जइ बेटाक खातिर एते केलौं, केतए गेल ओ सेवा! भाय साहैब, केते

कहब। जइ बेटा पाछू पमरिया, हिजरा, बकुनियाँ.., की-की ने नचेलौं, केते कबुला-पाती आ की-की ने केलौं...।

(बजैत-बजैत बर्बरी कानए लगैत) आइ ओ अवण्ड, महा अवण्ड, दिन-राति शिखर-पान, ताड़ी-दारू की-की ने खाइए आ करैए। हमर बुढ़ाड़ी केना कटत?

रत्नाकर- अखन खाइ-पीबैक समय भऽ गेल। काल्हि रहलै काल्हि आरो बेसी गप-सप हेतइ।

पटाक्षेप।

शब्द संख्या : 1240

चारिम दृश्य-

(बैरक डारिसँ सजल। वन सदृश मंच। शबरीक घर। मुसहरनीक बगएमे शबरी।
बाढ़ैनसँ आँगन बहारि, बाढ़ैन रखि एकटा बरतनसँ चाउर निकालि सूपमे लऽ शबरी आँकर बीछैत।)

शबरी- केहेन जुग-जमाना आबि गेल! एक तँ महगक चाउर कीनि कऽ लाउ आ तइमे तेतेक उजरा पत्थरबला आँकर रहै छै जे एको कौर घोंटब पहाड़ भऽ जाइ छइ।

(गणेश आ भजन लालक प्रवेश। एक भाग शबरी अपना आँगनमे सूपक चाउरमे आँकर बीछैत। दोसर दिस गणेश-भजनलाल)

गणेश- भजन भाय, अहीं कहू जे बड़बड़िया जे लप-लप बजै छेलए से उचित भेल?

भजन लाल- गणेश भाय, की उचित आ की अनुचित! से ऐ दुनियाँमे ताकब कठिन अछि। तँए अनेरे अहूँ किए मत्थापचीमे लगल छी, जखन जहिया जे भेल ओ तँ भूतक गर्भमे चलि गेल, तइले अनेरे...।

गणेश- नहि भजन भाय, आदमीकेँ अपनो सीमा-सरहद, आड़ि-धूरक होश रहबाक चाही, जँ से नहि भेल तखन ओ मनुख केना भेल?

भजन लाल- गणेश भाय! की करबै, जँ कियो अपना महींसकेँ कुरहैरे-सँ नाथत तेकर सुख-दुख तेकरे हेतै ने। तइले अनका की।

गणेश- कहलौं तँ बड़ सनगर बात मुदा जँ मनुख सएह बुझि दोसरसँ सम्बन्ध हटबए लगत तखन दुनियाँमे रहिये कथी जाएत?

भजन लाल- गणेश भाय, जहिना पोखैर-धार-समुद्र पानिक भण्डार छी मुदा ओहूमे की सगतैर एके रंग पानि नै रहै छइ। तहिना ने मनुखोक बीच अछि।

(तैबीच बर्बरीक प्रवेश। बर्बरीकेँ देखिते गणेश)

गणेश- भजन भाय, जाधैर ई दुनियाँ रहत ताधैर अपना सबहक सम्बन्ध अहिना बनले रहत। देखिते तँ छिऐ जे एक्के भगवानक हजार नाओं अछि। जेकरा जे मन फुरै छै से कहै छइ। तइले भगवानकेँ की बिगड़लैन।

बर्बरी- गणेश बाबू, अपन बात बुझल अछि जे अनका कहै

छिऐ?

भजन लाल- बर्बरी, जँ तात्विक दृष्टिसँ गप-सप्प करी तँ यएह धरती स्वर्गोसँ ऊपर उठि सतलोक, वैकुण्ठ, सूर-लोक बनि सकैए आ ओहनो बनि सकैए जे नर्क, धोर नर्क, वेश्यालय इत्यादि सेहो बनि जाइत अछि। तँए...।

गणेश- बर्बरी, सुनू अहाँसँ कोनो देहा-देही दुश्मनी नै अछि। मुदा भविस लेल नीक हएत जे पैछला सभ किछु जानि, आड़ि बान्हि भविस दिस संगे-संग चली।

भजन लाल- तखन, पैछला फरिछौठ कइए लिअ। मुदा फरिछौठ हएत केना गणेश भाय? अहीं कहू जे सोरहा बिआन करैबला मूस केना हाथी सनक देहक सवारी भेल! तालमेल केना बैसाएब?

बर्बरी- अहाँ तँ भजन भाय अनेरे वौआइ छी। हिनका पुछियौन जे केतौ अहाँकेँ महादेवक बेटा लोक बुझैए आ केतौ अहाँक पूजा महादेव पार्वतीक बिआहमे होइए!

भजन लाल- बर्बरी भाय, गणेश भाइक कान हाथीक कान छिऐन, बड़का कोठामे जहिना कनियोँ जोरसँ बजलापर गनगना उठै छै तहिना कानमे झड़ पड़ए लगै छैन तँए जे किछु बजैक हुअए कम जोरसँ बाजू।

गणेश- अच्छा छोड़ि दइ छिऐ। एक तँ गमैया लोक भेल दोसर कहुना भेल तँ बाले-बोध भेल किने।

बर्बरी- गणेश भाय, जे किछु जोरसँ बजलौं ओ आवेशमे बजा गेल। अहाँ सन आवेशीकेँ जँ आवेश नै करी तँ केकर करी।

भजन लाल- (ओंगरीसँ देखबैत) गणेश भाय, ई बोन कथीक छिऐ?

गणेश- बोन तँ बोन छिऐ। तइमे तोहर की कहब छह?

भजन लाल- बैरक बोन छिऐ। लगसँ देखलापर बुझि पड़त जे एकरा तोड़ैमे केते भीर होइ छइ। तहूमे नमहर गाछमे।

गणेश- बर्बरी बाउ, सुनू। पहिने ई कहू जे बेलक केते गाछ लगौने छी।

बर्बरी- (मजबुरीक अवस्थामे) भाय-साहैब, अपना गाछी-बिरछी लगाएब से जगहो रहए तब ने।

भजन लाल- गणेश भाय, सवाल बहैक गेल फलपर सँ माटिपर चलि एलौं। पहिने फलक बात फरिछा लिअ तखन आगू बढ़ब।

गणेश- भजन भाय, मिथिलांचलक हस्त–रेखा बेलक संग मेटाएल जा रहल अछि।

बर्बरी- अहाँकेँ एते दया किए लगैए, बेलपाते ने जाएत मुदा फूल-अच्छत तँ रहबे करत।

गणेश- नीक सुझाउ देलौं बर्बरी। बेल सन फलक महात्म्य गबै-बजबैले ने अखबारबलाकेँ समय छै आ ने रेडियो स्टेशनकेँ। वैज्ञानिक लोकैन सहजे वैज्ञानिके छैथ, रौकेटसँ निच्चाँ देखबे ने करै छथिन। जे बेल, दुनियाँक उच्च कोटिक फलमे अग्रिम स्थान रखनिहार छी, ओकर की स्थिति अछि...।

(बजैत-बजैत गणेश आँखि मुइन लेलैन।)

बर्बरी- गणेशजी, अलिसा रहला अछि। केतौ ठौर घड़ू।

(चारू दिस, दुनू गोरे–बर्बरी आ भजन लाल–तकैत)

भजन लाल- गणेश भाय, एकटा खोपड़ी आगूमे जे देखै छी, चलू ओहीठाम आरामो करब आ गपो-सप्प हेतइ।

(तीनू आगू बढ़ैत...)

भजन लाल- मायराम, हम सभ किछु समय विश्राम करब। तइले

जगह भेटत?

शबरी- (विस्मित होइत) अहाँ सभ के छी, केतए-सँ एलौं?

गणेश- अभ्यागत छी, गाम-ठेकानक कोन जरूरत अछि?

शबरी- अभियागती नै धाड़ैए।

गणेश- किए?

शबरी- सएह नहि बुझि पाबि रहल छी।

गणेश- हाथ बढ़ाउ, हस्तरेखा देखए दिअ।

शबरी- जारैन काटैमे टेंगारीक बेंट सभटा हस्त–रेखा चाटि गेल, तखन की देखबै।

गणेश- मुहेँसँ कहू?

शबरी- हमर पानि छुबाएल अछि, हमर सिद्ध अन्न छुबाएल अछि, हमर घर-आँगन छुबाएल अछि। छुबाएल अछि इनार-पोखैर आ चापाकल।

गणेश- ठहरू! अहाँक इनार-पोखैर छुबाएल अछि आकि छुबाएल अछि समाजक इनार-पोखैर।

शबरी- सभटा छुबाएल अछि। अपन छुबाएल अछि एना–जे आन–आन पानि नै पीबै छैथ, समाजक छुबाएल अछि एना जे या तँ घाट फुटा देल गेल अछि वा आगू-पाछूक प्रक्रिया अछि।

गणेश- भजन भाय, अहाँ गुबदी मारि घी पीबए चाहै छी। हमर छाती छिड़ियाएल जाइए आ अहाँ अनठौने छी!

भजन भाय- सभ तँ सुनिते छी, तखन अपनेकेँ शंका किए भेल?

गणेश- एकटा बातक विचार दिअ तँ...।

भजन लाल- कथी?

गणेश- जैठाम अने-पानि छुबा जेतै, तैठाम अतिथि सेवा लोक केना करत? जँ अतिथे सेवा नइ करत तँ मिथिलाक धरोहर की छी?

भजन लाल- गणेश भाय, अहूँ बड़ औगताह छी, लगले खिसिया जाइ छी। अहिना अहाँ व्यासजीकेँ कहने रहिऐन जे जखने अहाँक मुँह बन्न हएत तखने कलम रखि चलि जाएब।

गणेश- ऐमे हमर गलती की भेल?

भजन लाल- जहिना सभ अपन गलतीकेँ चलाकी कहै छै तहिना अहूँ कहै छिऐ।

गणेश- से की यौ?

भजन लाल- जँ अहाँ अधडरेड़पर लिखब छोड़ि चलि जैतिऐ तखन महाभारत केना लिखाइत?

गणेश- उपाय?

भजन लाल- अइले हमरा दुखे ने होइए आ अहाँ किए चिन्ता करै छी।

गणेश- केना चिन्ता मेटाएत?

भजन लाल- दूटा प्रश्नक जवाब हम देब। बर्बरी अहूँ सभ बात सुनलिऐ। पहिने अहाँ अपन विचार दियौ।

बर्बरी- पूर्वाग्रहसँ हम ग्रसित छी। गणेश देवता छैथ हिनका लग केना कोनो बातकेँ घटी-बढी हएत।

भजन लाल- गणेश भाय, अहाँ नाशी पुरुष नै छी जे नाश हएब मुदा आध्यात्मिक चिन्तनक जे बानर-बाट अछि तइसँ चिन्तित भऽ जाइ छी।

गणेश- कहलौं तँ बेस बात, मुदा... ।

भजन लाल- 'मुदा-तुदा' किछु नहि। हमरा एहेन दशा लोक करैए जे गुड़क मारि धोकरे जनै छी। बरहमासा कहि छमासा बना दइए, परातीकेँ साँझ आ साँझकेँ पराती बना दइए तइले दुखे ने होइए आ अहाँ एतबेमे हदियाइ छी। ऊपर मुड़ीए अछि आ निच्चाँ पेटे, तखन छाती रहत केतए-सँ।

(रत्नाकरक प्रवेश)

(रत्नाकर अबिते शबरीपर नजैर देलैन। जहिना शिकारी अपन शिकार देखि नजैर दैत अछि। अजगर साँपक आँखिपर पड़िते जहिना आकर्षित भऽ जाइत तहिना सबरीक नजैर।)

रत्नाकर- (बड़बड़ाइत-हाथक इशारा, जहिना तीर चलैत) ई शबरी, कुरुपक रानी, बन्धन मुक्त शबरी... ।

शबरी- (हाथ थरथराइत, ओंगरी उठा रत्नाकर दिस देखबैत) रामक रत्नाकर.., रामक रत्नाकर.., अयोघिया.., दशरथ.., दशरथ.., सरजुग नदी..!

(धीरे-धीरे दुनूक डेग आगू बढ़ैत एकठाम होइते

पटाक्षेप भऽ जाइत अछि।)

पटाक्षेप।

शब्द संख्या : 1084

पाँचम दृश्य-

(मंच। बड़का मैक आगूमे आ छोटका तीनटा मैक पाछूमे। एक रत्नाकरक आगू, दोसर गणेश आ तेसर भजन लालक आगूमे। रत्नाकर बीचमे, बामा भागमे- भजन लाल, बर्बरी, मिसर लाल आ मोजे लाल। दहिना भागमे गणेश, महेश आ सुरेश।)

अध्यक्ष- उत्सवक अन्तिम पहरमे पहुँच गेल छी। रातिक अन्त आ दिनक शुरूआतक समय उदीयमान अछि। आइ अन्तिम दिनक अन्तिम बैसार छी। ऐमे तीन बिन्दुपर विचार-विमर्शक संग समापन हएत। सभसँ पहिने मान्यवर रत्नाकर भायसँ आग्रह जे बैसारक सम्बन्धमे अपन विचार रखैथ। आगूक सुझाउ सेहो रखता।

(सभ थोपड़ी बजबैए)

बर्बरी- गणेश भाय, आब कहू मन केहेन लगैए?

अध्यक्ष- बड्ड बुड़ि लोक अहूँ छी बर्बरी।

बर्बरी- से केना?

अध्यक्ष- एक तँ अपने बुड़ि छी, तैपर अपना लागल हमरो बनबए चाहै छी। आबो चुप रहू।

बर्बरी- अँइ यौ अध्यक्ष भाय, बच्चेसँ सभ थोपड़ी बजा भजन करैत आएल छी, तेतबे नहि गुरुओजी विद्यालयमे हाथमे माटिक ढेप लऽ लिखनाइयो सिखौलैन आ जोर-जोरसँ पढ़नाइयो जे ओ अभ्यास अखनो धरि अछिए, तइमे बुड़िपन की भेल?

भजन लाल- एक तँ हम अपने बुड़ि छी जे सुखेलहाक माने नै बुझि सभकेँ बड़-बढ़ियाँ कहि दइ छिऐ, तैपर तहूँ कम नहियेँ छह। किए गणेश भायकेँ टोकै छुहुन। अखन मंचपर सभ छथिए।

गणेश- बड़बरिया आम जकाँ हवा सिहैकते भड़भड़ा जाइए,
(बहुँआ समटैत)
तँए आइ ओकरा मरदसँ भेँट हेतइ।

अध्यक्ष- गणेशजी, अपने सभ गणक ईष छिऐ। बर्बरीक मुँह बन्न कऽ दियौ। अपन गुर-चाउर खाइत रहत, अपना सभ बैसारक कार्यक्रम दिस बढ़ब।

गणेश- बौआ बर्बरी, तों किए एना बजै छह से हमहूँ बुझै छी। एक दिस पाबैनक उपासक फलहार अल्हुआ-सुथनीसँ होइत अछि तँ दोसर दिस सेव-अँगुरसँ। तों जे कहै

छह से तँ लोक हमरा अपने नाचक लेबड़ा बना नचबैए।

बर्बरी- (दुनू हाथ जोड़ि कऽ) भाय, कहल-सुनल सभ माफ कऽ दिअ।

गणेश- अबैत-जाइत रहिहह। हमर घर कि केतौ हराएल अछि। मूसोकेँ कहबहक तँ पहुँचा देतह।

बर्बरी- केना बुझबै जे राजक मूस छी आकि मुसरी-टुसरी वंशक झरहा?

रत्नाकर- बर्बरी, ई अखण्ड विचारक मंच छी। मर्यादित करू।

अध्यक्ष- भाय साहैबक हाथमे मैक तँ छैन्हे...।

रत्नाकर- अखन धरिक विचार-विमर्शसँ सूर्य वंशीय हरिश्चन्द्रक वंशक बदलाव दशरथ लग आबि गेलैन...।

(तैबीच एक दिससँ सुग्रीव आ हनुमान, दोसर दिससँ हरेलही आ बिसरलीही महिलाक प्रवेश। नव लोकक प्रवेशसँ रत्नाकर चुप भऽ गेला।)

सुग्रीव- हमर किछु अर्ज अछि।

रत्नाकर- ताबे हम बैसै छी, हिनकर अर्जीपर विचार करियौन। आइ समापन छी तँए समापनक अन्तिमो समय धरि जँ कोनो अर्ज पहुँचैए तँ ओकर अपन अधिकार बनै छइ।

अध्यक्ष- गणेशजी आ भजन लाल, दुनू गोरे अपनामे विचारि लिअ जे काजक संचालन केना करब?

बर्बरी- भाय, हमरा मनक खुट-खुट्टी ताबे तक नै मेटाएत जाबे तक अपना-ले हम उत्सवक महत नै बुझब।

भजन लाल- तहूँ बड़ फुलौड़ी-तिलौड़ी जकाँ चिरौड़ी करै छेँ-बड़बड़िया। बाज जल्दी।

बर्बरी- भाय, अहाँ बिगैड़ जाइ छी। खुटखुट्टी अछि जे हरिश्चन्द्र सभ किछु दान कऽ देलखिन मुदा केकरा-ले?

भजन लाल- अध्यक्षजी, बर्बरीक प्रश्नपर आगू विचार हएत।

अध्यक्ष- आगत लोकैन, चाह-पान भेलइ। आब अपने लोकनिक आगमनपर विचार कएल जाएत। क्रमशः अपन-अपन दुखरा राखू।

सुग्रीव- बजलोरी हमर पत्नी कब्जा कऽ लेल गेल छैथ...।

गणेश- विचारणीय प्रश्न अछि।

बर्बरी- बिना सुनने केना बुझबै जे विचारबै। अहाँकेँ हाथी सन कान अछि किम्हरो-ने-किम्हरोसँ सुनियेँ जेबै मुदा हमरा सन-सन गुजियेलहा कानमे फड़ केना लगतै?

भजन लाल- गणेश भाय, अहूँ जेहने झगड़ी छी तेहने रगड़ी। रिधि-सिधि लिखैक अधिकार अछि अहाँकेँ आ छुच्छे मुहेँ बाजि दिऐ हम सभ।

गणेश- सुग्रीवक प्रश्न छैन पत्नीक हरण। मुदा हरण कि हराएल ई तँ बीचमे अछिए। से केना बुझबै? पछाइत बुझैत रहबै। जेहेन खगता बुझौनिहारकेँ हेतैन तेहेन काज हेतैन।

भजन लाल- ठीके गणेश भाय, अहूँ मोका-मोकी नै बुझै छिऐ, अनेरे सोरैहिया सवारी बना नेने छी।

गणेश- भजन भाय, केतौ किछु हौउ, अपना सबहक संग-साथ थोड़े छुटत।

भजन लाल- जाबे अहाँ रहब, हमरा भजैये पड़त। संगी तँ रहबे करब।

गणेश- देखियौ भजन भाय, गणना कहै छै धन, जन, मन नहि

जानि केते रंगक बनल अछि। आब कोन बलजोरी भेल से बिना गणना केने हेतइ?

अध्यक्ष- बड़बढ़ियाँ, ऐगला बैसार धरि ऐ प्रश्नकेँ विचारणीय राखल जाइत अछि।

गणेश- अँए हौ हनुमान, तहूँ सुग्रीवे संग छेलहुन?

बर्बरी- गणेश भाय साहैब, अपने कने चुप रहियौ। पहिने एकटा प्रश्न पुछए दिअ।

भजन लाल- जल्दी बाजब बर्बरी भाय, आकि अहूँ पहिने मुँहमे औंट-पौड़ करै छी। तैयार भाइए कऽ तप्पत भोजन कराएब।

बर्बरी- बच्चेमे सूर्यकेँ गीर गेलखिन से सुझलैन नहि। अनके भरोसे डारिकेँ बनरा-बनरा बाँझ-बाँझिन बनौलखिन।

अध्यक्ष- दोसर प्रस्तावपर विचार कएल जाए।

हरेलही- हम दुनू सहोदरे बहिन छी। बच्चेमे हरा गेलौं। संजोगसँ भेँट भेल।

गणेश- एते लटपटा कऽ गीरह बान्हब से पार लागत, जल्दी किए ने केबाड़ खोलै छी?

बिसरलिही- अहींकेँ गणेशजी हम पंच मानै छी, अहीं कहू जे ई कहै छै सहोदरे बहिन छियौ, से मुँह-कान मिलै छइ?

भजन लाल- गणेश भाय, कनी चश्मा लगा लेब।

रत्नाकर- रोग-बियाधिसँ धरती आक्रान्त अछि। सभ आक्रान्त अछि। यएह आक्रान्त अन्धकार छी। अही-ले प्रकाश चाही। मुदा...।

बर्बरी- 'मुदा' की?

रत्नाकर- देखियौ, अपना ऐठाम जे पाबैन-तिहार होइत आबि रहल अछि, ओकर मूल तत्वकेँ तेना ने ओझरा देने अछि जे पार पएब कठिन भऽ गेल अछि। एकटा उदाहरण...।

बर्बरी- (बिच्चेमे) भाय, कनी सोझरा कऽ कहबै।

रत्नाकर- साले-साल निसचित मास, निसचित तिथिकेँ पाबैन अबैए। गुण अवगुण-गुणवेत्ता गुणता मुदा कि एकरा नकारल जा सकैए जे पैछला सालक जिनगीक नापक नवीकरणक रूपमे सेहो भऽ रहल अछि। अपन समर्पण अहाँक नजैर, अध्यक्षजी..?

अध्यक्ष- हँ, हँ, भाय साहैब... ।

रत्नाकर- समापनक जेहेन वातावरण रहक चाही से नइ रहल। रंग-बिरंगक नव-नव समस्या आबि गेल अछि।

अध्यक्ष- एक घन्टा-ले बैसार उसारि दइ छी।

पटाक्षेप।

शब्द संख्या : 860

छठम दृश्य-

(बैसार शुरू होइत)

रत्नाकर- बैसारक महमही कहैए जे जेना वसन्त हुअए। किए लोक जुआनी जिनगी चाहैए, बुढ़ाड़ी कियो पसिन किए नै करैए। अजीव तँ ई अछि जे बुढ़ सम्मानित शब्द छी, मुदा ओल जकाँ लगै किए छइ?

बर्बरी- (ओंगरीक इशारा करैत) भाय साहैब, भाय साहैब...।

अध्यक्ष- बर्बरी, जहिना जीवन धार छी जे बहैत रहैए तहिना सभ कथूक धार सेहो बहैत रहै छइ। एके धार पहाड़सँ निकैल गामे-गाम नाओं बदलैत समुद्रमे पहुँचैए।

रत्नाकर- समाजक प्रवुद्ध लोकनिक बैसार छी तँए अपन पैछलाक नीक-बेजाए देखैत आगू-ले संकल्पित होइ।

अध्यक्ष- गणेश भाय, पहिने अपनहि अपन विचार दियौ।

गणेश- देखू, दसअना-छहअना जिनगीमे बहुत केलौं। जेकर फल भेल किसानक घर छोड़ि बनियाँक घर गेलौं। मुदा आबो नै चेतब तँ वंश कलंकित हएत।

बर्बरी- कनी सोझरा-सोझरा कहियौ गणेश बाबू।

मिसर लाल- बड़ बुड़ि छेँ बड़बड़िया तूँ। कनी चुप भऽ कऽ सुनही ने।

गणेश- (विह्वल होइत) मजाकोसँ नमहर मजाक लोक बना देलक अछि। केतौ दूध पीया बोकरबैए तँ केतौ मोतीचूर लड्डू खुआ।

बर्बरी- खोंइचा कनी मोटगर अछि, छील दियौ?

गणेश- बाउ बर्बरी, की कहब, तेहेन-तेहेन उकट्ठी सभ भऽ गेल अछि जे घरसँ निकलैकाल बिसैर जाइ छिऐ। केतौ वाम-दहिन भेने जे दुर्घटना होइ छै तँ ओतैसँ गरियबैत रहैए जे सार गणेशबाक मुँह देखि चलल छेलौं।

भजन लाल- (मुड़ी डोलबैत) भाय, दुखरा गौने हेतह? चालैन दुसलक सूपकेँ जेकरा अपने हजारो छेद छइ! अनके खचरपनीसँ हमर एहेन गति अछि।

अध्यक्ष- गणेशजी, सोझ डारिये किए ने बजै छी जे एना घुमा-फिरा दइ छिऐ?

गणेश- सएह ने तारीफ अछि अध्यक्षजी हमरामे।

(रत्नाकरकेँ मुस्की दैते सभ जोरसँ ठहाका लगौलक)

गणेश- देखियौ नै तँ सुनियौ, दुनियाँ गोल छइ। सोझो डाँरि तिरछिया कऽ हटिते टेढ़ भऽ जाइत अछि। जइसँ सामने-सामनी नै देखि पड़ैए।

पटाक्षेप

शब्द संख्या : 267

समाप्त

जगदीश प्रसाद मण्डलजीक दस बर्खक लेखन क्रम:

416. पाइक मोल- शब्द संख्या: 2412, तिथि: 22 दिसम्बर 2013
417. चोरूक्का झगड़ा- शब्द संख्या: 538, तिथि: 24 दिसम्बर 2013
418. अपसोच- शब्द संख्या: 548, तिथि: 26 दिसम्बर 2013
419. पतझाड़- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 31 दिसम्बर 2013
419. झीसीक मजा- शब्द संख्या: 453, तिथि: 1 जनवरी 2014
420. मति-गति- शब्द संख्या: 1807, तिथि: 07 जनवरी 2014
421. रिजल्ट- शब्द संख्या: 2343, तिथि: 16 जनवरी 2014
422. अपन सन मुँह- शब्द संख्या: 5696, तिथि: 25 जनवरी 2014
423. सुमति- शब्द संख्या: 3072, तिथि: 30 जनवरी 2014
424. फेर पुछबैन- शब्द संख्या: 346, तिथि: 31 जनवरी 2014
425. माघक घूर- शब्द संख्या: 1683, तिथि: 06 फरवरी 2014
426. खर्च- शब्द संख्या: 330, तिथि: 07 फरवरी 2014
427. अखरा-दोखरा- शब्द संख्या: 342, तिथि: 10 फरवरी 2014
428. पेटगनाह- शब्द संख्या: 593, तिथि: 14 फरवरी 2014
429. बड़की माता- शब्द संख्या: 1224, तिथि: 18 फरवरी 2014
430. धरती-अकास- शब्द संख्या: 184 , तिथि: 19 फरवरी 2014
431. बकठाँइ- शब्द संख्या: 883, तिथि: 24 फरवरी 2014
432. चैन-बेचैन- शब्द संख्या: 936, तिथि: 09 मार्च 2014
433. हथियाएल खुरपी- शब्द संख्या: 645 , तिथि: 11 मार्च 2014
434. अलपुरिया बरी- शब्द संख्या: 287, तिथि: 12 मार्च 2014
435. नीक बोल- शब्द संख्या: 565, तिथि: 13 मार्च 2014

436. सुआद- शब्द संख्या: 624, तिथि: 14 मार्च 2014
437. गंगा नहेलौं- शब्द संख्या: 690, तिथि: 19 मार्च 2014
438. भोँटक गहमी- शब्द संख्या: 508, तिथि: 24 मार्च 2014
439. भँसैत नाह- शब्द संख्या: 597, तिथि: 26 मार्च 2014
440. पान पराग- शब्द संख्या: 1692, तिथि: 29 मार्च 2014
441. सिरमा- शब्द संख्या: 760, तिथि: 31 मार्च 2014
442. नौमीक हकार- शब्द संख्या: 1119, तिथि: 03 अप्रैल 2014
443. फोंक मकड़- शब्द संख्या: 1744, तिथि: 10 अप्रैल 2014
444. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 1252, तिथि: 14 अप्रैल 2014
445. अभिनव अनुभव- शब्द संख्या: 326, तिथि: 16 अप्रैल 2014
446. खोंटकर्मा- शब्द संख्या: 1184, तिथि: 19 अप्रैल 2014
447. किछु ने- शब्द संख्या: 503, तिथि: 22 अप्रैल 2014
448. झकास- शब्द संख्या: 1589, तिथि: 26 अप्रैल 2014
449. अप्पन-बीरान- शब्द संख्या: 2919, तिथि: 01 मई 2014
450. सजमनियाँ आम- शब्द संख्या: 611, तिथि: 04 मई 2014
451. अर्जुन रोग- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 7 मई 2014
452. गरदैन कट्टा बेटा- शब्द संख्या: 575, तिथि: 10 मई 2014
453. नैहराक धाड़- शब्द संख्या: 885, तिथि: 14 मई 2014
454. अवाक- शब्द संख्या: 1041, तिथि: 17 मई 2014
455. पोखैरक सैरात- शब्द संख्या: 923, तिथि: 20 मई 2014
456. दनियाँ डाबा- शब्द संख्या: 409, तिथि: 22 मई 2014
457. धरम काँट- शब्द संख्या: 395, तिथि: 23 मई 2014
458. पल भरि- शब्द संख्या: 1116, तिथि: 24 मई 2014
459. किरदानी- शब्द संख्या: 5309, तिथि: 14 जून 2014
460. सगहा- शब्द संख्या: 2860, तिथि: 22 जून 2014
461. अकाल- शब्द संख्या: 1238, तिथि: 24 जून 2014
462. उझट बात- शब्द संख्या: 1152, तिथि: 26 जून 2014
463. कर्जखौक- शब्द संख्या: 1175, तिथि: 2 जुलाई 2014
464. उनटन- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 6 जुलाई 2014

465. रेहना चाची- शब्द संख्या: 1307, तिथि: 9 जुलाई 2014
466. बुधनी दादी- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 11 जुलाई 2014
467. अउतरित प्रश्न- शब्द संख्या: 1229, तिथि: 14 जुलाई 2014
468. हारि- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 16 जुलाई 2014
469. सोनाक सुइत- शब्द संख्या: 1135, तिथि: 17 जुलाई 2014
470. मरुभूमि- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 20 जुलाई 2014
471. असगरे- शब्द संख्या: 1557, तिथि: 24 जुलाई 2014
472. पुरनी नानी- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 27 जुलाई 2014
473. कटा-कटी- शब्द संख्या: 1140, तिथि: 30 जुलाई 2014
474. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 1206, तिथि: 3 अगस्त 2014
475. गलती अपने भेल- शब्द संख्या:3386, तिथि: 06 अगस्त 2014
476. चोरक चोरबती- शब्द संख्या: 884, तिथि: 6 अगस्त 2014
477. घर तोड़ि देलिऐ- शब्द संख्या: 1527, तिथि: 10 अगस्त 2014
478. सजल स्मृति- शब्द संख्या: 2363, तिथि: 14 अगस्त 2014
479. सनेस- शब्द संख्या: 2654, तिथि: 16 अगस्त 2014
480. सए कच्छे- शब्द संख्या: 488, तिथि: 19 अगस्त 2014
481. एक मुठी घास- शब्द संख्या: 411, तिथि: 21 अगस्त 2014
482. करिछौंह मुँह- शब्द संख्या: 318, तिथि: 24 अगस्त 2014
483. पुरस्कार- शब्द संख्या: 2414, तिथि: 24 अगस्त 2014
484. गावीस मोइस- शब्द संख्या: 687, तिथि: 29 अगस्त 2014
485. मनकमना- शब्द संख्या: 6110, तिथि: 19 सितम्बर 2014
486. घरवास- शब्द संख्या: 4879, तिथि: 26 सितम्बर 2014
487. समधीन- शब्द संख्या: 6098, तिथि: 04 अक्टूबर 2014
488. चापाकलक पाइप- शब्द संख्या: 1616, तिथि: 7 अक्टूबर 2014
489. कलम हानि कS- शब्द संख्या: 2226, तिथि: 10 अक्टूबर 2014
490. लतियाएल जिनगी- शब्द संख्या: 1184, तिथि: 14 अक्टूबर 2014
491. गामक शकल-सूरत- शब्द संख्या: 2596, तिथि: 20 अक्टूबर 2014
492. जितिया पाबैन- शब्द संख्या: 3706, तिथि: 24 अक्टूबर 2014
493. सुखाएल सूरत- शब्द संख्या: 3690, तिथि: 30 अक्टूबर 2014

494. भैयारी हक- शब्द संख्या: 3131, तिथि: 4 नवम्बर 2014
495. ठकुआएल भुसवा- शब्द संख्या: 3335, तिथि: 13 नवम्बर 2014
496. खुदियाएल- शब्द संख्या: 2887, तिथि: 17 नवम्बर 2014
497. खटहा आम- शब्द संख्या: 3515, तिथि: 22 नवम्बर 2014
498. ढकरपेँच- शब्द संख्या: 3759, तिथि: 30 नवम्बर 2014
499. असहाज- शब्द संख्या: 2865, तिथि: 04 दिसम्बर 2014
500. समरथाइक भूत- शब्द संख्या: 3853, तिथि: 07 दिसम्बर 2014
501. विदाइ- शब्द संख्या: 5131, तिथि: 17 दिसम्बर 2014
502. खलओदार- शब्द संख्या: 735, तिथि: 19 दिसम्बर 2014
503. मनुखदेवा- शब्द संख्या: 1027, तिथि: 22 दिसम्बर 2014
504. उमेद- शब्द संख्या: 3643, तिथि: 31 दिसम्बर 2014
505. गलगर भैंस- शब्द संख्या: 3392, तिथि: 4 जनवरी 2015
506. जाड़ फाटि गेल- शब्द संख्या: 3328, तिथि: 9 जनवरी 2015
507. सुरता- शब्द संख्या: 3304, तिथि: 15 जनवरी 2015
508. असुध मन- शब्द संख्या: 2353, तिथि: 19 जनवरी 2015
509. धरमूदासक अखड़ाहा- शब्द संख्या: 1410, तिथि: 21 जनवरी 2015
510. ठोररंगू- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 23 जनवरी 2015
511. लगबे ने कएल- शब्द संख्या: 1449, तिथि: 25 जनवरी 2015
512. उकडू समय- शब्द संख्या: 1467, तिथि: 27 जनवरी 2015
513. चास-बास दुनू गेल- शब्द संख्या: 1615, तिथि: 29 जनवरी 2015
514. चौरचनक दही- शब्द संख्या: 2095, तिथि: 31 जनवरी 2015
515. अपन मन अपन धन- शब्द संख्या: 1532, तिथि: 3 फरवरी 2015
516. टुटली मरैया- शब्द संख्या: 1951, तिथि: 7 फरवरी 2015
517. हकार- तिथि: 11 फरवरी 2015, शब्द संख्या: 1911
518. दहेजुआ गाए- शब्द संख्या: 1908, तिथि: 15 फरवरी 2015
519. मेटाइत जिनगी- शब्द संख्या: 2129, तिथि: 20 फरवरी 2015
520. धुर बुड़ि तोरा बजै ने अबै छौ!- शब्द संख्या:1996, तिथि: 23 फरवरी 2015
521. लेहाज- शब्द संख्या: 1906, तिथि: 26 फरवरी 2015
522. विचार हेरा गेल- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 1 मार्च 2015

523. ओ दिन- शब्द संख्या: 1782, तिथि: 4 मार्च 2015
524. उरीन- शब्द संख्या: 3235, तिथि: 8 मार्च 2015
526. नहरकन्हा- शब्द संख्या: 1209, तिथि: 11 मार्च 2015
527. बटखौक- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 14 मार्च 2015
528. पसेनाक धरम- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 16 मार्च 2015
529. जेठुआ गरदा- शब्द संख्या: 1103, तिथि: 18 मार्च 2015
530. हँसीएमे उड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 20 मार्च 2015
531. बुड़िबकहा बुड़िबक बनौलक- शब्द संख्या: 1234, तिथि: 23 मार्च 2015
532. हमर बाइनिक विचार- शब्द संख्या: 1207, तिथि: 26 मार्च 2015
533. नोकरिहारा- शब्द संख्या: 1146, तिथि: 26 मार्च 2015
534. घसवाहि- शब्द संख्या: 1213, तिथि: 28 मार्च 2015
535. तेतर भाइक कविता- शब्द संख्या: 1319, तिथि: 1 अप्रैल 2015
536. छूआ- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 6 अप्रैल 2015
537. दोसराइत- शब्द संख्या: 1270, तिथि: 9 अप्रैल 2015
538. लछनमान- शब्द संख्या: 1173, तिथि: 13 अप्रैल 2015
539. हमर कोन दोख- शब्द संख्या: 1527, तिथि: 17 अप्रैल 2015
540. मौसी- शब्द संख्या: 1393, तिथि: 21 अप्रैल 2015
541. नटकिया गति- शब्द संख्या: 1313 24 अप्रैल 2015
542. खाए चाहैए- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 27 अप्रैल 2015
543. मधुमाछी- शब्द संख्या: 1892, तिथि: 07 मई 2015
544. दनगर घास- शब्द संख्या: 2775, तिथि: 13 मई 2015
545. सझिया खेती- शब्द संख्या: 3135, तिथि: 23 मई 2015
546. मुफतिया माल- शब्द संख्या: 3231, तिथि: 29 मई 2015
547. मथाहाथ- शब्द संख्या: 2923, तिथि: 02 जून 2015
548. पहपैट- शब्द संख्या: 1369, तिथि: 05 जून 2015
549. इजोरिया राति- शब्द संख्या: 1512, तिथि: 07 जून 2015
550. तीन जुगिया भाय- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 12 जून 2015
551. अँगनेमे हेरा गेलौं- शब्द संख्या: 605, तिथि: 14 जून 2015
552. डकरा हाल- शब्द संख्या: 2529, तिथि: 17 जून 2015

553. जेतए जे हौउ- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 21 जून 2015

554. गठूलाक गारि- शब्द संख्या: 1532, तिथि: 25 जून 2015

555. कनी हमरो सुनू- शब्द संख्या: 1983, तिथि: 29 जून 2015

556. गामक बान्ह- शब्द संख्या: 2437, तिथि: 03 जुलाई 2015

557. गुड़ा खुद्दीक रोटी- शब्द संख्या: 2443, तिथि: 08 जुलाई 2015

558. सीरक गाछ- शब्द संख्या: 3071, तिथि: 13 जुलाई 2015

559. हरदीक हरदा- शब्द संख्या: 2924, तिथि: 19 जुलाई 2015

560. जाम- शब्द संख्या: 3355, तिथि: 29 जुलाई 2015

561. गण्डा- शब्द संख्या: 2304, तिथि: 5 अगस्त 2015

562. हाथी आ मूस- शब्द संख्या: 3016, तिथि: 11 अगस्त 2015

563. मुसरी आ घोड़ा- शब्द संख्या: 3625, तिथि: 17 अगस्त 2015

564. फलहार- शब्द संख्या: 2350, तिथि: 25 अगस्त 2015

565. भोरक झगड़ा- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 31 अगस्त 2015

566. क्रियाशील- शब्द संख्या: 3395, तिथि: 13 सितम्बर 2015

567. आइ एम शॉरी- शब्द संख्या: 2927, तिथि: 23 सितम्बर 2015

568. ओऽ होऽ होऽ हूसि गेल- शब्द संख्या: 1025, तिथि: 29 सितम्बर 2015

569. मीनी भ्रष्टाचार- शब्द संख्या: 825, तिथि: 5 अक्टूबर 2015

570. गजपट खेती- शब्द संख्या: 1171, तिथि: 8 अक्टूबर 2015

571. समुद्री विद्या- शब्द संख्या: 787, तिथि: 11 अक्टूबर 2015

572. राकशे रहि गेलौं- शब्द संख्या: 959, तिथि: 12 अक्टूबर 2015

573. निनिया देवीक आराधना- शब्द संख्या: 679, तिथि: 13 अक्टूबर 2015

574. बताहे बताह बनौलक- शब्द संख्या: 574, तिथि: 15 अक्टूबर 2015

575. धोखा- शब्द संख्या: 1172, तिथि: 17 अक्टूबर 2015

576. खसैत गाछ- शब्द संख्या: 2234, तिथि: 22 अक्टूबर 2015

577. ठूठ गाछ- एक: शब्द संख्या: 1790, तिथि: 25 अक्टुबर 2015

578. ठूठ गाछ- दू: शब्द संख्या: 1203, तिथि: 29 अक्टुबर 2015

579. वैष्णवी भगवती- शब्द संख्या: 2099, तिथि: 01 नवम्बर 2015

580. ठूठ गाछ- तीन: शब्द संख्या: 999, तिथि: 04 नवम्बर 2015

581. ठूठ गाछ- चारि: शब्द संख्या: 1494, तिथि: 07 नवम्बर 2015

582. ठूठ गाछ- पाँच: शब्द संख्या: 2363, तिथि: 12 नवम्बर 2015
583. ठूठ गाछ- छह: शब्द संख्या: 1539, तिथि: 17 नवम्बर 2015
584. ठूठ गाछ- सात: शब्द संख्या: 3232, तिथि: 23 नवम्बर 2015
585. ठूठ गाछ- आठ: शब्द संख्या: 2780, तिथि: 01 दिसम्बर 2015
586. ठूठ गाछ- नअ 'क': शब्द संख्या: 2091, तिथि: 06 दिसम्बर 2015
587. ठूठ गाछ- नअ 'ख': शब्द संख्या: 1083, तिथि: 08 दिसम्बर 2015
588. ठूठ गाछ- नअ 'ग': शब्द संख्या: 1296, तिथि: 10 दिसम्बर 2015
589. ठूठ गाछ, दस- शब्द संख्या: 3304, तिथि: 16 दिसम्बर 2015
590. प्रीगर शत्रु- शब्द संख्या: 1087, तिथि: 26 दिसम्बर 2015
591. एगच्छा आमक गाछ- शब्द संख्या: 1172, तिथि: 31 दिसम्बर 2015
592. माघ नहाइले जाएब- शब्द संख्या: 2616, तिथि: 4 जनवरी 2016
593. एक घोंट पानि- शब्द संख्या: 2516, तिथि: 10 जनवरी 2016
594. एते दिन अपना-ले आब अनका-ले- शब्द: 3371, तिथि: 16 जनवरी 2016
595. माइक वचन- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 21 जनवरी 2016
596. पान- शब्द संख्या: 3115, तिथि: 26 जनवरी 2016
597. आजुक जिनगीक आइ परीक्षा- शब्द: 1676, तिथि: 01 फरवरी 2016
598. शुभचिन्तक- शब्द संख्या: 3947, तिथि: 08 फरवरी 2016
599. करिछौन लाली- शब्द संख्या: 3000, तिथि: 13 फरवरी 2016
600. मोहरा- शब्द संख्या: 1223, तिथि: 15 फरवरी 2016
601. अपन पुरखाक डीह- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 17 फरवरी 2016
602. जेना हाथी रही- शब्द संख्या: 1245, तिथि: 20 फरवरी 2016
603. कठफल- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 22 फरवरी 2016
604. गामे उपैट गेल- शब्द संख्या: 1680, तिथि: 25 फरवरी 2016
605. झूठे- शब्द संख्या: 1969, तिथि: 29 फरवरी 2016
606. लाही- शब्द संख्या: 2335, तिथि: 3 मार्च 2016
607. परतीहा खढ़- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 6 मार्च 2016
608. उजगी- शब्द संख्या: 1079, तिथि: 9 मार्च 2016
609. हाथक जिनगी- शब्द संख्या: 983, तिथि: 14 मार्च 2016
610. गाछपर सँ खसला- शब्द संख्या: 2000, तिथि: 20 मार्च 2016

611. केतौ ने रहलौं- शब्द संख्या: 2103, तिथि: 25 मार्च 2016
612. अपने केलहा- शब्द संख्या: 2314, तिथि: 31 मार्च 2016
613. बत्तु- शब्द संख्या: 2244, तिथि: 10 अप्रैल 2016
614. कछमछी- शब्द संख्या: 2322, तिथि: 15 अप्रैल 2016
615. गैत-वीध- शब्द संख्या: 2424, तिथि: 21 अप्रैल 2016
616. दियरबा-भैंसुर- शब्द संख्या: 2089, तिथि: 29 अप्रैल 2016
617. एक दिन- शब्द संख्या: 2063, तिथि: 5 मई 2016
618. दुधियाएल बरखा- शब्द संख्या: 2059, तिथि: 11 मई 2016
619. गलफूलू- शब्द संख्या: 2117, तिथि: 14 मई 2016
620. बिटगरहा- शब्द संख्या: 1992, तिथि: 19 मई 2016
621. आब नइ आगि लगैए- शब्द संख्या: 1962, तिथि: 23 मई 2016
622. कटौज- शब्द संख्या: 1977, तिथि: 28 मई 2016
623. बाल बोध- शब्द संख्या: 2621, तिथि: 2 जून 2016
624. डभियाएल गाम- शब्द संख्या: 2483, तिथि: 6 जून 2016
625. एकबोलिया दादी- शब्द संख्या: 2189, तिथि: 11 जून 2016
626. मरियाएल मन- शब्द संख्या: 1921, तिथि: 17 जून 2016
627. त्राहि-कृष्ण- शब्द संख्या: 2900, तिथि: 23 जून 2016
628. कन्हा भँट्टा- शब्द संख्या: 2539, तिथि: 30 जून 2016
629. जिगेसा- शब्द संख्या: 3977, तिथि: 8 जुलाई 2016
630. गुलेती दास- शब्द संख्या: 5993, तिथि: 12 अगस्त 2016
631. भोलानाथ बाबा- शब्द संख्या: 2359, तिथि: 17 अगस्त 2016
632. दुरकाल- शब्द संख्या: 3189, तिथि: 22 अगस्त 2016
633. कलंक- शब्द संख्या: 2763, तिथि: 27 अगस्त 2016
634. अड़िकट्टा चोर- शब्द संख्या: 2077, तिथि: 31 अगस्त 2016
635. बगदल गाम- शब्द संख्या: 2405, तिथि: 6 सितम्बर 2016
636. बत्तीसोअना- शब्द संख्या: 890, तिथि: 8 सितम्बर 2016
637. कचहरिया रोग- शब्द संख्या: 1651, तिथि: 12 सितम्बर 2016
638. दिन घटि गेल- शब्द संख्या: 2425, तिथि: 5 अक्टूबर 2016
639. मुड़ियाएल घर- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 11 अक्टूबर 2016

640. गामक सुरता- शब्द संख्या: 2265, तिथि: 19 अक्टूबर 2016
641. खतियाएल घर- शब्द संख्या: 2057, तिथि: 09 नवम्बर 2016
642. बात-कथा सुनौलक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 15 नवम्बर 2016
643. अनका बेर ओंघी- शब्द संख्या: 2233, तिथि: 20 नवम्बर 2016
644. देव उठान- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 24 नवम्बर 2016
645. नमहर घरक चोरि- शब्द संख्या: 2397, तिथि: 28 नवम्बर 2016
646. भोरक सपना- शब्द संख्या: 1013, तिथि: 1 दिसम्बर 2016
647. बालमण्डली- शब्द संख्या: 1288, तिथि: 6 दिसम्बर 2016
648. धोखा केतए भेल- शब्द संख्या: 1053, तिथि: 09 दिसम्बर 2016
649. माघक चाह- शब्द संख्या: 1330, तिथि: 12 दिसम्बर 2016
650. भँसियाएल बाल-बोध- शब्द संख्या: 1306, तिथि: 15 दिसम्बर 2016
651. माघक घूर- शब्द संख्या: 1812, तिथि: 18 दिसम्बर 2016
652. पाही पट्टी- शब्द संख्या: 2370, तिथि: 25 दिसम्बर 2016
653. बीरांगना- शब्द संख्या: 1551, तिथि: 30 दिसम्बर 2016
654. स्मृति शेष- शब्द संख्या: 1941, तिथि: 6 जनवरी 2017
655. मनकेँ फुसलबै छी- शब्द संख्या: 1023, तिथि: 10 जनवरी 2017
656. चहकल विचार- शब्द संख्या: 4173, तिथि: 20 जनवरी 2017
657. विदाइ-दैछना- शब्द संख्या: 2312, तिथि: 25 जनवरी 2017
658. बीरांगना: 2- शब्द संख्या: 1992, 29 जनवरी 2017
659. पकिया चेला- शब्द संख्या: 1976, तिथि: 06 फरवरी 2017
660. कान फुटल कप- शब्द संख्या: 1595, तिथि: 09 फरवरी 2017
661. वर्थ डे- शब्द संख्या: 2535, तिथि: 16 फरवरी 2017
662. जानक मोल- शब्द संख्या: 2782, तिथि: 23 फरवरी 2017
663. गामक कटान- शब्द संख्या: 3115, तिथि: 01 मार्च 2017
664. कर्जा- शब्द संख्या: 3252, तिथि: 07 मार्च 2017
665. बेटीक लिलसा- शब्द संख्या: 2621, तिथि: 11 मार्च 2017
666. अपन गारि अपन दुआरि- शब्द संख्या: 2546, तिथि: 17 मार्च 2017
667. बेटीक पैरुख- शब्द संख्या: 2735, तिथि: 26 मार्च 2017
668. बेटीक कुभेला- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 31 मार्च 2017

669. अपन रोपल गाछी भुताहि- शब्द संख्या: 2619, तिथि: 7 अप्रैल 2017

670. बलधकेल कटौज- शब्द संख्या: 2100, तिथि: 11 अप्रैल 2017

671. जारैनक दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 2465, तिथि: 17 अप्रैल 2017

672. पढ़ल सुगा बौक- शब्द संख्या: 3775, तिथि: 26 अप्रैल 2017

673. हरवाहि- शब्द संख्या: 2784, तिथि: मजदूर दिवस (01 मई) 2017

674. क्रान्तियोग- शब्द संख्या: 3432, तिथि: 13 मई 2017

675. उचितवक्ता- शब्द संख्या: 3461, तिथि: 19 मई 2017

676. खेतक बँटवारा- शब्द संख्या: 3607, तिथि: 24 मई 2017

677. विघटन- शब्द संख्या: 3419, तिथि: 31 मई 2017

678. टुटल मनक जुटान- शब्द संख्या: 3456, तिथि: 06 जून 2017

679. बाबा बेलेश्वरनाथ- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 11 जून 2017

680. भुतलग्गू आकि भविसलग्गू- शब्द संख्या: 2465, तिथि: 23 जून 2017

681. मर्माहत- शब्द संख्या: 2509, तिथि: 29 जून 2017

682. गुणहीन- शब्द संख्या: 3138, तिथि: 6 जुलाई 2017

683. समझौता- शब्द संख्या: 2280, तिथि: 13 जुलाई 2017

684. जेकर चुन तेकर पुन- शब्द संख्या: 2696, तिथि: 19 जुलाई 2017

685. त्रिकालदर्शी- शब्द संख्या: 2841, तिथि: 25 जुलाई 2017

686. नमहर फेरा- शब्द संख्या: 2902, तिथि: 29 जुलाई 2017

687. आशापर पानि पड़ल- शब्द संख्या: 2391, तिथि: 02 अगस्त 2017

688. कोढ़िया सरधुआ- शब्द संख्या: 2279, तिथि: 06 अगस्त 2017

689. बेटपन- शब्द संख्या: 3054, तिथि: 11 अगस्त 2017

690. छातीक हार- शब्द संख्या: 2291, तिथि: 16 अगस्त 2017

691. उमेरक लेहाज- शब्द संख्या: 2986, तिथि: 22 अगस्त 2017

692. पैंतीस साल पछुआ गेलौं- शब्द संख्या: 2472, तिथि: 05 सितम्बर 2017

693. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- एक: श. सं.: 1630, तिथि: 14 सितम्बर 2017

694. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- दू: श. सं.: 2878, 18 सितम्बर 2017

695. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- तीन: श. सं.: 2318, 22 सितम्बर 2017

696. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- चारि: श. सं.: 2239, 26 सितम्बर 2017

697. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- पाँच: श. सं.: 1903, 29 सितम्बर 2017

698. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- छह: श. सं.: 2450, 03 अक्टुबर 2017

699. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- सात: श. सं.: 2040, 07 अक्टुबर 2017

700. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- आठ: श. सं.: 2403, 12 अक्टुबर 2017

701. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- नअ: श. सं.: 5046, 19 अक्टुबर 2017

702. इज्जत गमा इज्जत बँचेलौं- दस: श. सं.: 794, 19 अक्टुबर 2017

703. पुरान साड़ी- शब्द संख्या: शब्द संख्या: 2453, तिथि: 24 अक्टूबर 2017

704. गाम बिसैर गेल- शब्द संख्या: 2482, तिथि: 28 अक्टूबर 2017

705. ऐँठ साड़ी- शब्द संख्या: 2925, तिथि: 01 नवम्बर 2017

706. लहसन- एक: शब्द संख्या: 3169, तिथि: 10 नवम्बर 2017

707. किछु ने फुरैए- शब्द संख्या: 2095, तिथि: 12 नवम्बर 2017

708. लहसन- दू: शब्द संख्या: 2031, तिथि: 17 नवम्बर 2017

709. महिरम- शब्द संख्या: 1984, तिथि: 20 नवम्बर 2017

710. लहसन- तीन: शब्द संख्या: 2592, तिथि: 25 नवम्बर 2017

711. बेर परहक भदवा- शब्द संख्या: 2726, तिथि: 29 नवम्बर 2017

712. लहसन- चारि: शब्द संख्या: 2562, तिथि: 4 दिसम्बर 2017

713. सड़क-कातक खेत- शब्द संख्या: 2722, तिथि: 10 दिसम्बर 2017

714. दोहरी हाक- शब्द संख्या: 2700, तिथि: 21 दिसम्बर 2017

715. लहसन- पाँच: शब्द संख्या: 4691, तिथि: 30 दिसम्बर 2017

716. पाइक इज्जत- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 05 जनवरी 2018

717. सेहन्ता- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 11 जनवरी 2018

718. राक्षसक झड़- शब्द संख्या: 1649, तिथि: 15 जनवरी 2018

719. बेरपर- शब्द संख्या: 2585, तिथि: 19 जनवरी 2018

720. केकरा-ले केलौं- शब्द संख्या: 2649, तिथि: 23 जनवरी 2018

721. स्वाभिमानी जिनगी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 28 जनवरी 2018

722. बाबाक बाग-बगिया- शब्द संख्या: 3089, तिथि: 3 फरवरी 2018

723. अब-तब- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 7 फरवरी 2018

724. अगिलह- शब्द संख्या: 2472, तिथि: 11 फरवरी 2018

725. लहसन- छह: शब्द संख्या: 2240, तिथि: 15 फरवरी 2018

726. लहसन- सात: शब्द संख्या: 1026, तिथि: 18 फरवरी 2018

727. लहसन- आठ: शब्द संख्या: 2220, तिथि: 22 फरवरी 2018
728. लहसन- नअ: शब्द संख्या: 2015, तिथि: 25 फरवरी 2018
729. कुकुरपन- शब्द संख्या: 2229, तिथि: 28 फरवरी 2018
730. हेराएल जिनगी- शब्द संख्या: 3107, तिथि: 5 मार्च 2018
731. आशापर पानि फेर गेल- शब्द संख्या: 2447, तिथि: 9 मार्च 2018
732. देखल दिन- शब्द संख्या: 2592, तिथि: 27 मार्च 2018
733. इज्जत उतैर गेल- शब्द संख्या: 1905, तिथि: 30 मार्च 2018
734. संकट- शब्द संख्या: 2595, तिथि: 4 अप्रैल 2018
735. एकतीस मार्च- शब्द संख्या: 2814, तिथि: 10 अप्रैल 2018
736. गेल माघ उनतीस दिन बॉकी- शब्द संख्या: 2391, तिथि: 15 अप्रैल 2018
737. बापक चलैत- शब्द संख्या: 2606, तिथि: 20 अप्रैल 2018
738. बेटाक चलैत- शब्द संख्या: 2889, तिथि: 25 अप्रैल 2018
739. प्रवल इच्छा- शब्द संख्या: 2301, तिथि: 30 अप्रैल 2018
740. पंगु- एक: शब्द संख्या: 6478, तिथि: 11 मई 2018
741. पंगु- दू: शब्द संख्या: 2156, तिथि: 15 मई 2018
742. पंगु- तीन: शब्द संख्या: 2092, तिथि: 21 मई 2018
743. पंगु- चारि: शब्द संख्या: 2177, तिथि: 24 मई 2018
744. पंगु- पाँच: शब्द संख्या: 2492, तिथि: 27 मई 2018
745. पंगु- छह: शब्द संख्या: 1853, तिथि: 30 मई 2018
746. पंगु- सात: शब्द संख्या: 911, तिथि: 02 जून 2018
747. पंगु- आठ: शब्द संख्या: 1945, तिथि: 4 जून 2018
748. पंगु- नअ: शब्द संख्या: 935, तिथि: 6 जून 2018
749. ठका गेलौं- शब्द संख्या: 2052, तिथि: 18 जून 2018
750. हारि-जीत- शब्द संख्या: 3190, तिथि: 24 जून 2018
751. पनचैती पनपना गेल- शब्द संख्या: 1095, तिथि: 27 जून 2018
752. कुघाटक मृत्यु- शब्द संख्या: 1608, तिथि: 01 जुलाई 2018
753. एक तम्मा सिदहा- शब्द संख्या: 2014, तिथि: 5 जुलाई 2018
754. कियो ने पुछैए- शब्द संख्या: 1584, तिथि: 9 जुलाई 2018
755. केकरो कियो ने- शब्द संख्या: 718, तिथि: 11 जुलाई 2018

756. गपक पियाहुल लोक- शब्द संख्या: 1420, तिथि: 13 जुलाई 2018

757. उदय-प्रलय- शब्द संख्या: 1574, तिथि: 15 जुलाई 2018

758. हमरा नीक नहि लगैए- शब्द संख्या: 1458, तिथि: 19 जुलाई 2018

759. भारीपन भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1471, तिथि: 21 जुलाई 2018

760. मानसरोवरक यात्रा- शब्द संख्या: 2576, तिथि: 31 जुलाई 2018

761. करतब- शब्द संख्या: 2132, तिथि: 04 अगस्त 2018

762. आमक गाछी- एक: शब्द संख्या: 3068, तिथि: 10 अगस्त 2018

763. आमक गाछी- दू: शब्द संख्या: 3553, तिथि: 17 अगस्त 2018

764. आमक गाछी- तीन: शब्द संख्या: 2484, तिथि: 22 अगस्त 2018

765. आमक गाछी- चारि: शब्द संख्या: 2291, तिथि: 28 अगस्त 2018

766. आमक गाछी- पाँच: शब्द संख्या: 2185, तिथि: 02 सितम्बर 2018

767. आमक गाछी- छह: शब्द संख्या: 4701, चोरा चान 12 सितम्बर 2018

768. आमक गाछी- सात: शब्द संख्या: 1805, तिथि: 15 सितम्बर 2018

769. अनचोकक अन्हार- शब्द संख्या: 924, तिथि: 19 सितम्बर 2018

770. आमक गाछी, आठ- शब्द संख्या: 1917, तिथि: 25 सितम्बर 2018

771. अपन बुधियारी अपने खेलक- शब्द संख्या: 1897, ति.: 23 सितम्बर 2018

772. आमक गाछी, नअ- शब्द संख्या: 1914, तिथि: 30 सितम्बर 2018

773. चटवाह- शब्द संख्या- 2134, तिथि: 4 अक्टूबर 2018

774. भगैतिया- शब्द संख्या: 2177, तिथि: 8 अक्टूबर 2018

775. अधमरू साँपक फुफकार- शब्द संख्या: 2196, तिथि: 12 अक्टूबर 2018

776. यादास्त- शब्द संख्या: 1870, तिथि: 15 अक्टूबर 2018

777. हमर मेला चोरि भS गेल- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 19 अक्टूबर 2018

778. गरदैन हलैल गेल- शब्द संख्या: 1922, तिथि: 23 अक्टूबर 2018

779. दिवालीक दीप- शब्द संख्या: 2422, तिथि: 29 अक्टूबर 2018

780. हारि केना मानब- शब्द संख्या: 2054, तिथि: 02 नवम्बर 2018

781. अप्पन गाम- शब्द संख्या: 1940, तिथि: 06 नवम्बर 2018

782. परिछन- शब्द संख्या: 2661, तिथि: 11 नवम्बर 2018

783. झूठ सपना- शब्द संख्या: 2062, तिथि: 15 नवम्बर 2018

784. जिनगीक अन्तिम फल- शब्द संख्या: 2530, तिथि: 19 नवम्बर 2018

785. चरणबाबूक टैक्सी- शब्द संख्या: 2381, तिथि: 24 नवम्बर 2018
786. पुस्तकालय- शब्द संख्या: 2333, तिथि: 29 नवम्बर 2018
787. विचारभेद- शब्द संख्या: 2553, तिथि: 04 दिसम्बर 2018
788. एकरवा बानर- शब्द संख्या: 2793, तिथि: 09 दिसम्बर 2018
789. फकीरबा स्थान- शब्द संख्या: 2759, तिथि: 14 दिसम्बर 2018
790. रंगमे भंग- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 20 दिसम्बर 2018
791. खिलतोड़ भूमि- शब्द संख्या: 2590, तिथि: 17 जनवरी 2019
792. बैगनक बगान बनरा गेल, तूँ मुँह तकै छह- श. 2590, ति. 22 जनवरी 2019
793. मटरक अजोह दाना- शब्द संख्या: 3473, तिथि: 03 फरवरी 2019
794. फुइसिक रग्गड़- शब्द संख्या: 2225, तिथि: 07 फरवरी 2019
795. उखमज- शब्द संख्या: 3964, तिथि: 16 फरवरी 2019
796. एकभग्गू बेटा- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 19 फरवरी 2019
797. अगुताइ भेल- शब्द संख्या: 1054, तिथि: 22 फरवरी 2019
798. थैंक्यू पापा- शब्द संख्या: 965, तिथि: 24 फरवरी 2019
799. किसुनपुराक हाट- शब्द संख्या: 995, तिथि: 25 फरवरी 2019
800. धनखेतीक बैगन- शब्द संख्या: 1051, तिथि: 28 फरवरी 2019
801. चितवनक शिकार- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 02 मार्च 2019
802. बुढ़ भेलौं तँ दुइर गेलौं- शब्द संख्या: 1086, तिथि: 04 मार्च 2019
803. धुआ साड़ी- शब्द संख्या: 1132, तिथि: 06 मार्च 2019
804. राजरोग- शब्द संख्या: 1274, तिथि: 10 मार्च 2019
805. संकल्प- शब्द संख्या: 1520, तिथि: 12 मार्च 2019
806. एकटा नमहर दुख मेटा गेल- शब्द संख्या: 1349, तिथि: 15 मार्च 2019
807. काजक मोल- शब्द संख्या: 1090, तिथि: 16 मार्च 2019
808. एतए बसव कठिन अछि- शब्द संख्या: 1010, तिथि: 19 मार्च 2019
809. स्वनिर्मित जिनगी- शब्द संख्या: 1091, तिथि: 22 मार्च 2019
810. कपटलालक मृत्यु- शब्द संख्या: 987, तिथि: 25 मार्च 2019
811. गामक ढहल समाज- शब्द संख्या: 966, तिथि: 27 मार्च 2019
812. लजगर लोक- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 29 मार्च 2019
813. खरिहाँन उपैट गेल- शब्द संख्या: 1218, तिथि: 02 अप्रैल 2019

814. पगलपन- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 04 अप्रैल 2019

815. छलाननक सराध- शब्द संख्या: 996, तिथि: 06 अप्रैल 2019

816. छाती बज्जर केलौं- शब्द संख्या: 1402, तिथि: 08 अप्रैल 2019

817. नाँहकमे दोख- शब्द संख्या: 1463, तिथि: 16 अप्रैल 2019

818. सग्गा पिऔज- शब्द संख्या: 1530, तिथि: 20 अप्रैल 2019

819. गाछसँ नमहर फड़- शब्द संख्या: 1003, तिथि: 22 अप्रैल 2019

820. जिनगीमे जान आएल- शब्द संख्या: 1198, तिथि: 25 अप्रैल 2019

821. जे संग नइ औत ओकरा संग नइ जेबै- श.सं.: 1080, ति.: 26 अप्रैल 2019

822. चौरस खेतक चौरस उपज- शब्द संख्या: 998, तिथि: 29 अप्रैल 2019

823. सिकिया नेता- शब्द संख्या: 1023, तिथि: मजदूर दिवस, 2019

824. मुँह खुजिते नाक कटि गेल- शब्द संख्या: 1475, तिथि: 04 मई 2019

825. जेकरे भर तेकरे डर- शब्द संख्या: 1214, तिथि: 06 मई 2019

826. ललियाएल चेहरा करियाएल मन- शब्द संख्या: 1194, तिथि: 09 मई 2019

827. पुरुखक भर- शब्द संख्या: 1109, तिथि: 12 मई 2019

828. भकमोड़मे पड़ि गेलौं- शब्द संख्या: 1411, तिथि: 15 मई 2019

829. अपन इमान मरि गेल- शब्द संख्या: 1071, तिथि: 17 मई 2019

830. गामक रूप बदैल देब- शब्द संख्या: 1004, तिथि: 19 मई 2019

831. कुभेला- शब्द संख्या: 992, तिथि: 21 मई 2019

832. देखौंस- शब्द संख्या: 945, तिथि: 23 मई 2019

833. समयसँ पहिने चेत किसान- शब्द संख्या: 1326, तिथि: 25 मई 2019

834. काजक मेहपन- शब्द संख्या: 947, तिथि: 27 मई 2019

835. पनरह किलोक कदीमा- शब्द संख्या: 941, तिथि: 29 मई 2019

836. फेर नढ़रो बेल तर जेती- शब्द संख्या: 1553, तिथि: 01 जून 2019

837. काजक धुनि- शब्द संख्या: 1065, तिथि: 03 जून 2019

838. सोरहामे सुर्रा लगि गेल- शब्द संख्या: 1618, तिथि: 06 जून 2019

839. अगराही- शब्द संख्या: 944, तिथि: 08 जून 2019

840. जेकरे-ले चोरि केलौं सएह कहैए चोरा- श.सं.: 1556, तिथि: 11 जून 2019

841. भौक- शब्द संख्या: 1403, तिथि: 14 जून 2019

842. मनतरक पावर- शब्द संख्या: 1598, तिथि: 17 जून 2019

843. हाल-चाल- शब्द संख्या: 1519, तिथि: 20 जून 2019

844. अधमरु साँपक डँस- शब्द संख्या: 1525, तिथि: 23 जून 2019

845. के मानत?- शब्द संख्या: 1721, तिथि: 29 जून 2019

846. दियादीक फेड़- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 03 जुलाई 2019

847. वाह रे आदत- शब्द संख्या: 1455, तिथि: 06 जुलाई 2019

848. कटबी सुइद- शब्द संख्या: 1435, तिथि: 09 जुलाई 2019

849. तिलकौआ छत्ता- शब्द संख्या: 1948, तिथि: 13 जुलाई 2019

850. अपने जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1539, तिथि: 16 जुलाई 2019

851. कलेश- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 20 जुलाई 2019

852. गामक आशा टुटि गेल- शब्द संख्या: 2338, तिथि: 24 जुलाई 2019

853. आब इज्जत नइ बँचत- शब्द संख्या: 2046, तिथि: 28 जुलाई 2019

854. अँगनाक बीरार- शब्द संख्या: 1856, तिथि: 31 जुलाई 2019

855. भेँट-घाँट- शब्द संख्या: 1884, तिथि: 03 अगस्त 2019

856. कोसा- शब्द संख्या: 1999, तिथि: 07 अगस्त 2019

857. दहेजक गाए- शब्द संख्या: 2076, तिथि: 15 अगस्त 2019

858. चलती- शब्द संख्या: 1770, तिथि: 18 अगस्त 2019

859. तीन बुड़िवान- शब्द संख्या: 1901, तिथि: 21 अगस्त 2019

860. एकाधिकारी जाति- शब्द संख्या: 2198, तिथि: 24 अगस्त 2019

861. अपन करखन्ना- शब्द संख्या: 1704, तिथि: 28 अगस्त 2019

862. लड़कपन- शब्द संख्या: 2150, तिथि: 03 अक्टूबर 2019

863. कुदृष्टि- शब्द संख्या: 2435, तिथि: 08 अक्टूबर 2019

864. हकार- शब्द संख्या: 2012, तिथि: 16 अक्टूबर 2019

865. दलखिच्चड़मे घी- शब्द संख्या: 2286, तिथि: 25 अक्टूबर 2019

866. दोहरी दहार- शब्द संख्या: 2154, तिथि: 02 नवम्बर 2019

867. पसेनाक मोल- शब्द संख्या: 1748, तिथि: 06 नवम्बर 2019

868. बुढ़ापा- शब्द संख्या: 2122, तिथि: 10 नवम्बर 2019

869. पुरना घराड़ी- शब्द संख्या: 2092, तिथि: 14 नवम्बर 2019

870. जगरनथिया भोज- शब्द संख्या: 2416, तिथि: 18 नवम्बर 2019

871. कृषियोग- शब्द संख्या- शब्द संख्या: 2010, तिथि: 22 नवम्बर 2019

872. काजक रोप- शब्द संख्या: 2679, तिथि: 21 दिसम्बर 2019
873. खटसमाद- शब्द संख्या: 2909, तिथि: 27 दिसम्बर 2019
874. जीबठपन- शब्द संख्या: 2577, तिथि: 02 जनवरी 2020
875. गोटी लाल- शब्द संख्या: 2364, तिथि: 06 जनवरी 2020
876. अपनाकेँ चिन्हैत चलिहह- शब्द संख्या: 2361, तिथि: 11 जनवरी 2020
877. दहेज- शब्द संख्या: 2431, तिथि: 15 जनवरी 2020
878. जेहेन मति तेहेन गति- शब्द संख्या: 2630, तिथि: 21 जनवरी 2020
879. केते लग केते दूर- शब्द संख्या: 2660, तिथि: 31 जनवरी 2020
880. अपन कर्तव्य आकि उपकार- शब्द संख्या: 2410, तिथि: 05 फरवरी 2020
881. जिनगी भौर भेलह हेन- शब्द संख्या: 2789, तिथि: 10 फरवरी 2020
882. वसन्त पंचमी- शब्द संख्या: 2767, तिथि: 16 फरवरी 2020
883. चुटका सुतरल- शब्द संख्या: 2445, तिथि: 21 फरवरी 2020
884. हारल चेहरा जीतल रूप- शब्द संख्या: 2255, तिथि: 25 फरवरी 2020
885. अग्नि परीछा- शब्द संख्या: 3097, तिथि: 01 मार्च 2020
886. आसीरवचन- शब्द संख्या: 2564, तिथि: 06 मार्च 2020
887. दहिबरी- शब्द संख्या: 2560, तिथि: 12 मार्च 2020
888. सघन बन- शब्द संख्या: 2697, तिथि: 17 मार्च 2020
889. हुसैत लोक- शब्द संख्या: 2602, तिथि: 23 मार्च 2020
890. हुसि गेलौं- शब्द संख्या: 2574, तिथि: 28 मार्च 2020
891. झूठक झालि- शब्द संख्या: 2352, तिथि: 01 अप्रैल 2020
892. दुष्टपन- शब्द संख्या: 2317, तिथि: 06 अप्रैल 2020
893. रहै जोकर परिवार- शब्द संख्या: 2297, तिथि: 15 अप्रैल 2020
894. परिपक्व निरलज- शब्द संख्या: 2232, तिथि: 20 अप्रैल 2020
895. अप्पन काज अपने चिन्हू- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 24 अप्रैल 2020
896. लजाउ काज- शब्द संख्या: 2394, तिथि: 02 मई 2020
897. सुचिता- एक: शब्द संख्या: 4352, तिथि: 30 मई 2020
898. सुचिता- दू: शब्द संख्या: 4459, तिथि: 08 जून 2020
899. सुचिता- तीन: शब्द संख्या: 4672, तिथि: 15 जून 2020
900. सुचिता- चारि: शब्द संख्या: 4022, तिथि: 02 जुलाई 2020

901. सुचिता- पाँच: शब्द संख्या: 2757, तिथि: 08 जुलाई 2020
902. सुचिता- छह: शब्द संख्या: 3188, तिथि: 14 जुलाई 2020
903. सुचिता- सात: शब्द संख्या: 4483, तिथि: 24 जुलाई 2020
904. सीमावद्ध जीवन- शब्द संख्या: 2420, तिथि: 01 अगस्त 2020
905. कर्ताक रंग कर्मक संग- शब्द संख्या: 2757, तिथि: 06 अगस्त 2020
906. जिनगीक हिसाब- शब्द संख्या: 2711, तिथि: 11 अगस्त 2020
907. अपना जनैत- शब्द संख्या: 2881, तिथि: 16 अगस्त 2020
908. सुद्दढ़ जिनगी- शब्द संख्या: 3460, तिथि: 23 अगस्त 2020
908. मुराम जगह- शब्द संख्या: 3575, तिथि: 31 अगस्त 2020
909. गामक सूरत बदैल गेल: शब्द संख्या: 3340, तिथि: 07 सितम्बर 2020
910. दोसर रस्ता नहि- शब्द संख्या: 2808, तिथि: 13 सितम्बर 2020
911. विचारधाराक भथान- शब्द संख्या: 2659, तिथि: 19 सितम्बर 2020
912. परिवार बिलैट गेल- शब्द संख्या: 3132, तिथि: 26 सितम्बर 2020
913. अनचोकक इजोत- शब्द संख्या: 3339, तिथि: 03 अक्टूबर 2020
914. केलहा सभ पानिमे गेल- शब्द संख्या: 3199, तिथि: 09 अक्टूबर 2020
915. पएर तरक धरती डोलि गेल- शब्द संख्या: 2346, तिथि: 15 अक्टूबर 2020
916. जबुरिया कागज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 22 अक्टूबर 2020
917. बेटाक बिआह- शब्द संख्या: 3734, तिथि: 30 अक्टूबर 2020
918. जीवनमे जान आएल- शब्द संख्या: 3325, तिथि: 06 नवम्बर 2020
919. पोसलाक फल- शब्द संख्या: 3039, तिथि: 12 नवम्बर 2020
920. अन्तिम परीक्षा- शब्द संख्या: 2933, तिथि: 18 नवम्बर 2020
921. गाम आब ओ गाम रहल! - शब्द संख्या: 3038, तिथि: 24 नवम्बर 2020
922. जिनकर जीत तिनकर माला- शब्द सं.: 3025, तिथि: 30 नवम्बर 2020
923. नवका लोक: शब्द संख्या- 3215, तिथि: 06 दिसम्बर 2020
924. काजक उत्तर काज- शब्द संख्या: 3366, तिथि: 12 दिसम्बर 2020
925. घरक खर्च- शब्द संख्या: 3731, तिथि: 19 दिसम्बर 2020
926. समाजक भागे- शब्द संख्या: 3338, तिथि: 25 दिसम्बर 2020
927. बाबा हाथक कोदारि हल्लुक- शब्द संख्या: 4091, तिथि: 02 जनवरी 2021
928. परिवारक विघटन- शब्द संख्या: 2143, तिथि: 07 जनवरी 2021

929. हारल विचार- शब्द संख्या: 3657, तिथि: 14 जनवरी 2021
930. मोड़पर- एक: शब्द संख्या: 4422, तिथि: 25 जनवरी 2021
931. मोड़पर- दू: शब्द संख्या: 3734, तिथि: 01 फरवरी 2021
932. मोड़पर- तीन: शब्द संख्या: 3157, तिथि: 08 फरवरी 2021
933. मोड़पर- चारि: शब्द संख्या: 4844, तिथि: 19 फरवरी 2021
934. मोड़पर- पाँच: शब्द संख्या: 6382, तिथि: 06 मार्च 2021
935. मोड़पर- छह: शब्द संख्या: 2150, तिथि: 10 मार्च 2021
936. मोड़पर- सात: शब्द संख्या: 788, तिथि: 11 मार्च 2021
937. मोड़पर- आठ: शब्द संख्या: 927, तिथि: 12 मार्च 2021
938. मोड़पर- नअ: शब्द संख्या: 1127, तिथि: 14 मार्च 2021
939. मोड़पर- दस: शब्द संख्या: 585, तिथि: 15 मार्च 2021
940. मोड़पर- एगारह: शब्द संख्या: 265, तिथि: 16 मार्च 2021
941. संकल्प- एक: शब्द संख्या: 2988, तिथि: 25 मार्च 2021
942. संकल्प- दू: शब्द संख्या: 1903, तिथि: 29 मार्च 2021
943. संकल्प- तीन: शब्द संख्या: 3101, तिथि: 04 अप्रैल 2021
944. संकल्प- चारि: शब्द संख्या: 3197, तिथि: 10 अप्रैल 2021
945. संकल्प- पाँच: शब्द संख्या: 3202, तिथि: 17 अप्रैल 2021
946. संकल्प- छह: शब्द संख्या: 2026, तिथि: 21 अप्रैल 2021
947. संकल्प- सात: शब्द संख्या: 3139, तिथि: 29 अप्रैल 2021
948. संकल्प- आठ: शब्द संख्या: 2440, तिथि: 04 मई 2021
949. संकल्प- नअ: शब्द संख्या: 2368, तिथि: 08 मई 2021
950. संकल्प- दस: शब्द संख्या: 3977, तिथि: 15 मई 2021
951. अन्तिम क्षण- एक: शब्द संख्या: 2874, तिथि: 20 मई 2021
952. अन्तिम क्षण- दू: शब्द संख्या: 6126, तिथि: 04 जून 2021
953. अन्तिम क्षण- तीन: शब्द संख्या: 3669, तिथि: 12 जून 2021
954. अन्तिम क्षण- चारि: शब्द संख्या: 5817, तिथि: 24 जून 2021
955. अन्तिम क्षण- पाँच: शब्द संख्या: 4916, तिथि: 04 जुलाई 2021
956. परिवारे गजपटा गेल: शब्द संख्या: 1881, तिथि: 09 जुलाई 2021
957. समयक थपेड़मे- शब्द संख्या: 1798, तिथि: 14 जुलाई 2021

958. की सत्त की फुइस?- शब्द संख्या: 1793, तिथि: 17 जुलाई 2021
959. कुभाँज समयक भाँजमे- शब्द संख्या: 1671, तिथि: 21 जुलाई 2021
960. देखल गाम- शब्द संख्या: 1737, तिथि: 25 जुलाई 2021
961. अपना ले- शब्द संख्या: 1903, तिथि: 03 अगस्त 2021
962. तीन धक्का- शब्द संख्या: 1759, तिथि: 06 अगस्त 2021
963. अजीब खेल- शब्द संख्या: 2362, तिथि: 20 अगस्त 2021
964. नीक ठकान ठकेलौं- शब्द संख्या: 2798, तिथि: 25 अगस्त 2021
965. केकरो भरोस- शब्द संख्या: 2237, तिथि: 31 अगस्त 2021
966. बाड़ी भेल धनहर- शब्द संख्या: 1820, तिथि: 04 सितम्बर 2021
967. कुण्ठा- एक: शब्द संख्या: 2284, तिथि: 15 सितम्बर 2021
968. कुण्ठा- दू: शब्द संख्या: 2150, तिथि: 23 सितम्बर 2021
969. कुण्ठा- तीन: शब्द संख्या: 1324, तिथि: 29 सितम्बर 2021
970. कुण्ठा- चारि: शब्द संख्या: 4458, तिथि: 10 अक्टूबर 2021
971. कुण्ठा- पाँच: शब्द संख्या: 2673, तिथि: 18 अक्टूबर 2021
972. कुण्ठा- छह: शब्द संख्या: 2852, तिथि: 24 अक्टूबर 2021
973. कुण्ठा- सात: शब्द संख्या: 1901, तिथि: 18 अक्टूबर 2021
974. कुण्ठा- आठ: शब्द संख्या: 1948, तिथि: 01 नवम्बर 2021
975. कुण्ठा- नअ: शब्द संख्या: 1901, तिथि: 05 नवम्बर 2021
976. कुण्ठा- दस: शब्द संख्या: 2022, तिथि: 09 नवम्बर 2021
977. सुदृढ़ जीवन- शब्द संख्या: 2587, तिथि: 14 नवम्बर 2021
978. सागवानक बागवानी- शब्द संख्या: 2369, तिथि: 05 दिसम्बर 2021
979. बिनु खुट्टाक गाए- शब्द संख्या: 2191, तिथि: 10 दिसम्बर 2021
980. जीवनक कर्म जीवनक मर्म- शब्द संख्या: 2893, तिथि: 16 दिसम्बर 2021
981. घरैया मूस- शब्द संख्या: 2791, तिथि: 22 दिसम्बर 2021
982. टुटि कऽ खसि पड़लैन- शब्द संख्या: 2182, तिथि: 29 दिसम्बर 2021
983. मृत्युसजियापर पड़ल विवेक बाबा- शब्द सं.: 2294, ति.: 03 जनवरी 2022
984. संचरण- शब्द संख्या: 2477, तिथि: 08 जनवरी 2022
985. जिनगीसँ प्रेम- शब्द संख्या: 2278, तिथि: 14 जनवरी 2022
986. परिवारे बगैद गेल- शब्द संख्या: 2299, तिथि: 21 फरवरी 2022

987. जिनगी पिछैड़ गेल- शब्द संख्या: 2859, तिथि: 02 मार्च 2022
988. श्रमहीन- शब्द संख्या: 3105, तिथि: 08 मार्च 2022
989. समुद्रलंघन- शब्द संख्या: 3274, तिथि: 21 मार्च 2022
990. परिवारक भार- शब्द संख्या: 2402, तिथि: 28 मार्च 2022
991. हीन-हीनाइत विवेक- शब्द संख्या: 2347, तिथि: 02 अप्रैल 2022
992. चेहराक निखार- शब्द संख्या: 2496, तिथि: 06 अप्रैल 2022
993. भरि मन काज- शब्द संख्या: 2281, तिथि: 12 अप्रैल 2022
994. विचारे मरि गेल- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 21 अप्रैल 2022
995. मृत्युक भय मेटा गेल- शब्द संख्या: 2536, तिथि: 26 अप्रैल 2022
996. घरक बात- शब्द संख्या: 2686, तिथि: 01 मई (मजदूर दिवस) 2022
997. अप्पन दलान- शब्द संख्या: 2480, तिथि: 06 मई 2022
998. कंजूसपन- शब्द संख्या: 2589, तिथि: 11 मई 2022
999. आएल आशा चलि गेल- शब्द संख्या: 1478, तिथि: 15 मई 2022
1000. अकारण- शब्द संख्या: 1918, तिथि: 18 मई 2022
1001. अछोप- शब्द संख्या: 1590, तिथि: 21 मई 2022
1002. अप्पन बेइमानी- शब्द संख्या: 1560, तिथि: 24 मई 2022
1003. उनटन- शब्द संख्या: 1581, तिथि: 24 मई 2022
1004. अर्द्धांगिनी- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 30 मई 2022
995. बहवाँइर- शब्द संख्या: 1538, तिथि: 04 जून 2022
1006. पाक मास्टर- शब्द संख्या: 1387, तिथि: 07 जून 2022
1007. साइंस टीचर- शब्द संख्या: 1301, तिथि: 10 जून 2022
1008. इज्जत लS लेलक- शब्द संख्या: 1367, तिथि: 13 जून 2022
1009. निसगर पान- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 15 जून 2022
1010. विरोध- शब्द संख्या: 1452, तिथि: 19 जून 2022
1011. जीवन दान- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 26 जून 2022
1012. बाग-बगिया- शब्द संख्या: 1272, तिथि: 30 जून 2022
1013. विश्वास पात्र- शब्द संख्या: 1374, तिथि: 02 जुलाई 2022
1014. विचारक टिटकारी- शब्द संख्या: 1335, तिथि: 05 जुलाई 2022
1015. लत- शब्द संख्या: 1375, तिथि: 08 जुलाई 2022

1016. जीवन खटाइमे पड़ि गेल- शब्द संख्या: 1220, तिथि: 11 जुलाई 2022
1017. कर्ज- शब्द संख्या: 1256, तिथि: 13 जुलाई 2022
1018. बहादुरी- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 16 जुलाई 2022
1019. हमरो खगता छै- शब्द संख्या: 1178, तिथि: 20 जुलाई 2022
1020. सपना- शब्द संख्या: 1241, तिथि: 23 जुलाई 2022
1021. संगे-संग एलौं संगिया मरि गेल हम भुतिआइ छी- श.: 1303, 26.7.2022
1022. उवाणि- शब्द संख्या: 1264, तिथि: 29 जुलाई 2022
1023. विचारक प्रबलता- शब्द संख्या: 1268, तिथि: 01 अगस्त 2022
1024. अपन रचित रचना- शब्द संख्या: 1481, तिथि: 07 अगस्त 2022
1025. थाहल संगी- शब्द संख्या: 1331, तिथि: 10 अगस्त 2022
1026. आत्मबल- शब्द संख्या: 1267, तिथि: 13 अगस्त 2022
1027. विश्वासहीन- शब्द संख्या: 1405, तिथि: 16 अगस्त 2022
1028. बुलन्दी- शब्द संख्या: 1329, तिथि: 19 अगस्त 2022
1029. अप्पन साती- शब्द संख्या: 1287, तिथि: 22 अगस्त 2022
1030. खिच्चड़ि- शब्द संख्या: 1624, तिथि: 26 अगस्त 2022
1031. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1364, तिथि: 01 सितम्बर 2022
1032. भंगतराह कवि- शब्द संख्या: 1357, तिथि: 01 सितम्बर 2022
1033. कनियैँ-मनियैँ पूँजी- शब्द संख्या: 1315, तिथि: शिक्षक दिवस 2022
1034. पुरुखढौह- शब्द संख्या: 1263, तिथि: 08 सितम्बर 2022
1035. सिमानक झगड़ा- शब्द संख्या: 1232, तिथि: 13 सितम्बर 2022
1036. जिनगी भार बनि गेल- शब्द संख्या: 1312, तिथि: 16 सितम्बर 2022
1037. परिवारक योग- शब्द संख्या: 1295, तिथि: 19 सितम्बर 2022
1038. मनुक्ख खौक- शब्द संख्या: 1183, तिथि: 25 सितम्बर 2022
1039. साहित्यकारक विवेक- शब्द संख्या: 1141, तिथि: 28 सितम्बर 2022
1040. भाषाक बेथा- शब्द संख्या: 1231, तिथि: 01 अक्टूबर 2022
1041. बुझबे ने केलिऐ- शब्द संख्या: 1227, तिथि: 05 अक्टूबर 2022
1042. जीवनक सम्बन्ध- शब्द संख्या: 1187, तिथि: 08 अक्टूबर 2022
1043. गैंचाह लोक- शब्द संख्या: 1113, तिथि: 11 अक्टूबर 2022
1044. जिनगीकेँ पटैक भगलौं- शब्द संख्या: 1258, तिथि: 14 अक्टूबर 2022

1045. अन्तिम आशा- शब्द संख्या: 1365, तिथि: 17 अक्टूबर 2022
1046. गजपट मारि- शब्द संख्या: 1327, तिथि: 20 अक्टूबर 2022
1047. कन्हजोड़- शब्द संख्या: 1346, तिथि: 23 अक्टूबर 2022
1048. अनहोनी- शब्द संख्या: 1308, तिथि: 26 अक्टूबर 2022
1049. होनी- शब्द संख्या: 1236, तिथि: 29 अक्टूबर 2022
1050. भवितव्य- शब्द संख्या: 1130, तिथि: 02 नवम्बर 2022
1051. ओसचट बीमारी: शब्द संख्या: 1260, तिथि: 05 नवम्बर 2022
1052. पुत्र परीक्षा: शब्द संख्या: 1286, तिथि: 09 नवम्बर 2022
1053. अप्पन मन बुझाएब- शब्द संख्या: 1294, तिथि: 12 नवम्बर 2022
1054. जड़ौर- शब्द संख्या: 1304, तिथि: 15 नवम्बर 2022
1055. अलोपित- शब्द संख्या: 1360, तिथि: 18 नवम्बर 2022
1046. कुमहरक बतिया- शब्द संख्या: 1240, तिथि: 21 नवम्बर 2022
1057. सिमानक आड़ि- शब्द संख्या: 1289, तिथि: 26 नवम्बर 2022
1058. नब बनक नब फल- शब्द संख्या: 1412, तिथि: 30 नवम्बर 2022
1059. सुमारक- शब्द संख्या: 1246, तिथि: 04 दिसम्बर 2022
1060. अन्तिम भेँट- शब्द संख्या: 1277, तिथि: 08 दिसम्बर 2022
1061. अनहरिया- शब्द संख्या: 1356, तिथि: 12 दिसम्बर 2022
1062. निरन्तर- शब्द संख्या: 3025, तिथि: 21 दिसम्बर 2022
1063. शॉर्टकट रास्ता- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 26 दिसम्बर 2022
1064. अपेछा टुटि गेल- शब्द संख्या: 1739, तिथि: 30 दिसम्बर 2022
1065. सुनयना बेटी: 01- शब्द संख्या: 1728, तिथि: 05 जनवरी 2023
1066. सुनयना बेटी: 02- शब्द संख्या: 3540, तिथि: 14 जनवरी 2023
1067. सुनयना बेटी: 03- शब्द संख्या: 3722, तिथि: 25 जनवरी 2023
1068. सुनयना बेटी: 04- शब्द संख्या: 1987, तिथि: 30 जनवरी 2023
1069. सुनयना बेटी: 05- शब्द संख्या: 3802, तिथि: 06 फरवरी 2023
1070. सुनयना बेटी: 06- शब्द संख्या: 1821, तिथि: 10 फरवरी 2023
1071. सुनयना बेटी: 07- शब्द संख्या: 925, तिथि: 12 फरवरी 2023
1072. सुनयना बेटी: 08- शब्द संख्या: 2999, तिथि: 18 फरवरी 2023
1073. सुनयना बेटी: 19- शब्द संख्या: 1926, तिथि: 22 फरवरी 2023

1074. सुनयना बेटी: 10- शब्द संख्या: 1953, तिथि: 26 फरवरी 2023
1075. आब नइ जीब- शब्द संख्या: 2097, तिथि: 2 मार्च 2023
1076. सेहन्ता सेहन्ते रहि गेल- शब्द संख्या: 2013, तिथि: 06 मार्च 2023
1077. धुरफन्ना लोक- शब्द संख्या: 1891, तिथि: 10 मार्च 2023
1078. घरदेखी- शब्द संख्या: 1846, तिथि: 14 मार्च 2023
1079. बासभूमि- शब्द संख्या: 2639, तिथि: 31 मार्च 2023
1080. इज्जत पर पड़ि गेल- शब्द संख्या: 2698, तिथि: 07 अप्रैल 2023
1081. अहीं जीतलौं- शब्द संख्या: 2884, तिथि: 13 अप्रैल 2023
1082. गामसँ गाए उपैट गेल- शब्द संख्या: 2454, तिथि: 20 अप्रैल 2023
1083. भारक बड़बड़िया- शब्द संख्या: 1727, तिथि: 24 अप्रैल 2023
1084. रूपैँ बदैल गेल- शब्द संख्या: 1736, तिथि: 28 अप्रैल 2023
1085. वंशक धर्म- शब्द संख्या: 1881, तिथि: 02 मई 2023
1086. उपराग- शब्द संख्या: 1358, तिथि: 05 मई 2023
1087. केकरा भगाउ आ केकरा बसाउ- शब्द संख्या: 1390, तिथि: 08 मई 2023
1088. खीरा लत्तीमे रोजगार- शब्द संख्या: 1377, तिथि: 11 मई 2023
1089. टकुआटान- शब्द संख्या: 2302, तिथि: 19 मई 2023
1090. पोस्टमार्टम- शब्द संख्या: 1852, तिथि: 23 मई 2023
1091. ऐ सालक नाह बुड़ि गेल- शब्द संख्या: 1761, तिथि: 27 मई 2023
1092. सामंजस्य- शब्द संख्या: 1868, तिथि: 01 जून 2023
1093. महींसवारक गाम- शब्द संख्या: 1337, तिथि: 04 जून 2023
1094. दसअना छहअना- शब्द संख्या: 1243, तिथि: 07 जून 2023
1095. वाह रे हम- शब्द संख्या: 1291, तिथि: 10 जून 2023
1096. एक जूम तमाकुल- शब्द संख्या: 1290, तिथि: 13 जून 2023
1097. चपरासी गाम- शब्द संख्या: 1201, तिथि: 17 जून 2023
1098. बनरफाँस- शब्द संख्या: 1279, तिथि: 19 जून 2023
1099. हँस्सा ठक- शब्द संख्या: 1889, तिथि: 26 जून 2023
1100. विश्वासू मन- शब्द संख्या: 1724, तिथि: 30 जून 2023
1101. चोरनी पिल्ली- शब्द संख्या: 1883, तिथि: 04 जुलाई 2023
1102. गामक जमीने पथरा गेल- शब्द संख्या: 1837, तिथि: 08 जुलाई 2023

1103. एकलव्यपन- शब्द संख्या: 2087, तिथि: 14 जुलाई 2023
1104. केलहा साफल- शब्द संख्या: 2102, तिथि: 19 जुलाई 2023
1105. त्रिशुलपर लटकल गाम- शब्द संख्या: 2007, तिथि: 23 जुलाई 2023
1106. त्रिशंकु गाम- शब्द संख्या: 2151, तिथि: 28 जुलाई 2023
1107. चारिम कनियाँ- शब्द संख्या: 1995, तिथि: 01 अगस्त 2023
1108. वंश नाश- शब्द संख्या: 1988, तिथि: 06 अगस्त 2023
1109. लोक लाज- शब्द संख्या: 1781, तिथि: 10 अगस्त 2023
1110. धानक कमठौन- शब्द संख्या: 1580, तिथि: 30 अगस्त 2023
1111. एक चुटकी खुशी- शब्द संख्या: 2053, तिथि: 02 सितम्बर 2023
1112. अनका सिर- शब्द संख्या: 1801, तिथि: शिक्षक दिसव 2023
1113. समयक फेड़- शब्द संख्या: 1531, तिथि: 08 सितम्बर 2023
1114. कोढ़ि- शब्द संख्या: 1511, तिथि: 11 सितम्बर 2023
1115. मुहाँ-ठुठ्ठी- शब्द संख्या: 1167, तिथि: 13 सितम्बर 2023
1116. औनाकऽ मरए लगलौं- शब्द संख्या: 1060, तिथि: 13 सितम्बर 2023
1117. जेहेन आँखि तेहेन पाँखि- शब्द संख्या: 1077, तिथि: 17 सितम्बर 2023
1118. चौरचनक केरा- शब्द संख्या: 1185, तिथि: 19 सितम्बर 2023
1119. सुख-दुख- शब्द संख्या: 1708, तिथि: 04 अक्टूबर 2023
1120. दुख-सुख- शब्द संख्या: 1629, तिथि: 07 अक्टूबर 2023
1121. जीवन की आ जीवनक उद्देश्य की- श. सं.: 1571, ति.: 10 अक्टूबर 2023
1122. अंधविश्वास- शब्द संख्या: 1509, तिथि: 13 अक्टूबर 2023
1123. बखेरिया लोक- शब्द संख्या: 1528, तिथि: 16 अक्टूबर 2023
1124. नव जीवन- शब्द संख्या: 1620, तिथि: 19 अक्टूबर 2023
1125. प्रीति- शब्द संख्या: 1610, तिथि: 19 अक्टूबर 2023
1126. पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1667, तिथि: 25 अक्टूबर 2023
1127. मन टँगि गेल- शब्द संख्या: 1702, तिथि: 28 अक्टूबर 2023
1128. नियति आ पुरुषार्थ- शब्द संख्या: 1714, तिथि: 31 अक्टूबर 2023
1129. जे ननू से गर्भहि ननू- शब्द संख्या: 1639, तिथि: 03 नवम्बर 2023
1130. पुरुखक डीह- शब्द संख्या: 1666, तिथि: 06 नवम्बर 2023
1131. पाशापर- शब्द संख्या: 1707, तिथि: 09 नवम्बर 2023

1132. संचरण- शब्द संख्या: 1743, तिथि: 14 नवम्बर 2023

1133. कंजूस- शब्द संख्या: 1636, तिथि: 17 नवम्बर 2023

1134. बाबाक पौती- शब्द संख्या: 1640, तिथि: 20 नवम्बर 2023

1135. भँसिया गेलौं- शब्द संख्या: 1614, तिथि: 23 नवम्बर 2023

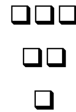
1136. उबारि देलौं- शब्द संख्या: 1645, तिथि: 28 नवम्बर 2023

1137. श्रद्धा- शब्द संख्या: 1619, तिथि: 01 दिसम्बर 2023

1138. केकरोपर आश्रित- शब्द संख्या: 1641, तिथि: 04 दिसम्बर 2023

1139. समैया लुच्चा- शब्द संख्या: 1735, तिथि: 07 दिसम्बर 2023

1140. उकडू समयमे सुकडू काज: जारी...



Notes